

//-- सुविचार --//		
कर्म सुख भले ही न ला सके, परंतु कर्म के बिना सुख नहीं मिलता। - डिजरायली		
सूर्योदय-सूर्यास्त		
उदय : 6:26 प्रातः		
अस्त : 5:08 संध्या		
प्रदेश का मौसम		
स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	25.0	10.0
जमशेदपुर	27.0	11.0
रामगढ़	26.0	09.0
डालटनगंज	27.0	09.0

चीन वाला कोरोना वायरस बीएफ-7 भारत भी पहुंचा, तीन संक्रमित मिले

- बीएफ-7 का पहला केस अक्टूबर में गुजरात बायोटेक्नॉली रिसर्च सेंटर में पता चला
- देश में नए वेरिएंट के तीन मामलों में दो गुजरात और एक मामला ओडिशा से
- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने की समीक्षा बैठक, एयरपोर्ट यात्रियों की रैंडम टेस्टिंग होगी

नयी दिल्ली : चीन वाले कोरोना वैरिएंट की भारत में भी एंट्री हो गई है। अभी तक तीन लोगों के कोविड 19 के इस नए वैरिएंट बीएफ-7 से संक्रमित होने की खबर है। एक मामला गुजरात के वडनगर का है। महिला को एनआरआई बताया जा रहा

है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में बीएफ-7 का पहला केस अक्टूबर में गुजरात बायोटेक्नॉली रिसर्च सेंटर में पता चला। बीएफ-7 ने चीन में तबाही मचाई हुई है। कोरोना के जो तीन मामले में मिले हैं, उनमें दो गुजरात और एक केस ओडिशा से संबंधित है।



बीएफ-7 वेरिएंट के लक्षण

रिपोर्ट के अनुसार बीएफ.7 सबसे अधिक उपरी श्वास नली को प्रभावित करता है। कोरोना के बीएफ.7 वेरिएंट से जुड़े संक्रमण के लक्षणों में बुखार, खांसी, गले में खराश, नाक बहना शामिल है। इसके अलावा थकान, उल्टी और दस्त के लक्षण दिख सकते हैं। कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों को यह वायरस गंभीर रूप से बीमार कर सकता है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कोविड-19 की स्थिति की समीक्षा

कोविड-19 के नए वेरिएंट से उत्पन्न स्थिति को लेकर भारतीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को तत्काल बैठक आयोजित की। बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मांडविया ने अधिकारियों को सजग रहने और निगरानी तंत्र मजबूत करने का निर्देश दिया। मांडविया ने एक ट्वीट में कहा कि कुछ देशों में कोविड-19 के मामलों में वृद्धि के मद्देनजर एक्सपर्ट और अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कोविड अभी खत्म नहीं हुआ है। मैंने सभी संबंधित लोगों को सजग रहने और निगरानी बढ़ाने के लिए कहा है। हम किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं।

बीएफ-7 वेरिएंट ने चीन में मचायी है तबाही

चीन के कई शहरों में वर्तमान में अत्यधिक तेजी से ऑमिक्रॉन के सब वैरिएंट बीएफ-7 के मामले बढ़ रहे हैं। इसके सबसे ज्यादा मामले बीजिंग में सामने आ रहे हैं। चीन में बीएफ-7 की उच्च संप्रणीयता को पिछले संक्रमण से चीनी आबादी में प्रतिरक्षा के निम्न स्तर और संभवतः टीकाकरण के लिए भी जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। इस सब वैरिएंट के मामले अमेरिका, ब्रिटेन और बेल्जियम, जर्मनी, फ्रांस और डेनमार्क जैसे यूरोपीय देशों सहित कई अन्य देशों में पहले ही पाया जा चुका है।

सावधान! एक बार फिर लौट सकता है फेस मास्क का दौर

नयी दिल्ली : कोरोना नये वैरिएंट बीएफ-7 के मामलों की समीक्षा के बाद केन्द्र व राज्य सरकारों फिर से कुछ नियमों को लागू कर सकती हैं। इस मामले पर विचार किया जा रहा है। इसमें कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए सार्वजनिक स्थानों पर फिर से मास्क पहनने को अनिवार्य किया जा सकता है। खासतौर पर उन लोगों के लिए जिनमें कोरोना का लक्षण हैं। मसलन खांसी, जुखाम या किसी तरह के वायरल होने पर लोगों को मास्क पहनना अनिवार्य होगा। सोशल

डिस्टेंसिंग के नियमों को फिर से सख्ती से लागू किया जा सकता है। एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर रैंडम टेस्टिंग शुरू कर दी गयी है। इसका दावा बढ़ाया जा सकता है। रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर भी रैंडम टेस्टिंग शुरू करने की तैयारी की जा रही है। इसके अलावा अब बूस्टर डोज में तेजी लायी जाएगी। अब तक 23 करोड़ से ज्यादा लोगों को कोरोना वैक्सीन का बूस्टर डोज लगाया जा चुका है। सरकार टेस्टिंग, ट्रेसिंग और ट्रिटमेंट वाले फॉर्मूले पर फोकस करने का फैसला ले सकती है।



मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य सरकार के तीन वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 29 दिसंबर को होने वाले कार्यक्रमों की समीक्षा की

1200 करोड़ रुपये राशि की सौगात देगी सरकार

10 लाख किसानों को मिलेगी राशि

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में बुधवार को झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में वर्तमान राज्य सरकार के 03 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 29 दिसंबर 2022 को आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वर्तमान राज्य सरकार के 03 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में आगामी 29 दिसंबर को आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में विभिन्न योजनाओं के लाभुकों को डीबीटी के माध्यम से लाभ पहुंचाया जाना सुनिश्चित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि झारखंड के भूमिहीन तथा आच्छादित 5 लाख 60 हजार किसान परिवारों को सुखा राहत राशि का लाभ, प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत स्कूलों में अध्ययनरत 25 लाख छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति की राशि का लाभ तथा सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना से आच्छादित 5 लाख 60 हजार बच्चियों को सहायता राशि का लाभ डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खाते में पहुंचाया जाएगा। उक्त अवसर पर 1200 करोड़ रुपए राशि का वितरण किया जाना सुनिश्चित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार राज्य के सभी वर्ग समुदाय के लोगों को उनका हक-अधिकार देने का काम कर रही है। राज्य गठन के बाद से ही हमारी सरकार ने झारखंडवासियों के सभी समस्याओं के निदान का संकल्प लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में पहली बार आपके-अधिकार-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम संचालित की गई है। इन कार्यक्रमों का मकसद ही यही है कि आदिवासी, दलित, शोषित, वंचित



सहित सभी वर्गों को उनका हक-अधिकार उनके गांव-घर में ही उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जा सके।

लाभुकों का रजिस्ट्रेशन, वेरीफिकेशन की पूर्ण तैयारी सुनिश्चित करें

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों निर्देशित किया कि सुखा राहत योजना, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना एवं प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के लाभुकों को डीबीटी के माध्यम से राशि का हस्तांतरण किए जाने हेतु लाभुकों का रजिस्ट्रेशन, वेरीफिकेशन तथा वित्तीय एवं तकनीकी पहलुओं पर सभी आवश्यक तैयारी 26 दिसंबर 2022 तक निश्चित रूप से पूर्ण कर ली जाए ताकि 29 दिसंबर 2022 को राज्य सरकार द्वारा बटन दबाकर डीबीटी के माध्यम से राशि का हस्तांतरण में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो एवं राशि तत्काल लाभुकों के खाता में अंतरित हो जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग द्वारा उक्त अवसर पर शुभारंभ किए जाने वाले प्रगति पोर्टल से संबंधित सभी आवश्यक तैयारी समयमय पूर्ण कर ली जाए। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य

विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि 29 दिसंबर को स्पोर्ट्स इंटीग्रेटेड पोर्टल का शुभारंभ किया जाना है। इस पोर्टल के शुभारंभ होने से राज्य के प्रतिभावान खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को राज्य सरकार की खेल नीति का पूरा लाभ मिल सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्पोर्ट्स इंटीग्रेटेड पोर्टल की व्यवस्था एवं उसकी तकनीकी बारीकियों की पूरी जांच सुनिश्चित कर लें ताकि पोर्टल शुभारंभ होने के बाद साइट में किसी तरह की असुविधा खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को न हो। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि उक्त अवसर पर स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग अंतर्गत कई मॉडल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन राज्य सरकार द्वारा किया जाना सुनिश्चित किया गया है इस निमित्त आवश्यक तैयारी समय पूर्ण कर ली जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि लॉन्चिंग ऑफ पोर्टल फॉर मॉनिटरिंग इंफ्रा प्रोजेक्ट्स का भी पूर्ण तैयारी रखें।

झारखंड मंत्रालय में होगा मुख्य समारोह

बैठक में मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य सरकार के 03 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 29 दिसंबर 2022 को झारखंड मंत्रालय (प्रोजेक्ट भवन) स्थित नए सभागार में आयोजित मुख्य

क्या-क्या सौगात देगी राज्य सरकार

- डीबीटी के माध्यम से राज्य के 10 लाख किसानों को सुखा राहत राशि
- 25 लाख प्री-मैट्रिक छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति
- 5 लाख 60 हजार बच्चियों को सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के लाभ का तोहफा
- कई मॉडल स्कूल भवनों का होगा उद्घाटन,
- लॉन्चिंग ऑफ पोर्टल फॉर मॉनिटरिंग इंफ्रा प्रोजेक्ट्स
- स्पोर्ट्स इंटीग्रेटेड पोर्टल का भी होगा शुभारंभ
- विभिन्न योजनाओं के लाभुकों को मिलेगा लाभ
- कई महत्वपूर्ण पोर्टल का होगा शुभारंभ

समारोह के सफलतापूर्वक आयोजन हेतु एक आयोजन-सह-समन्वय समिति का गठन की जाए। उक्त समिति द्वारा मिन्ट-टू-मिन्ट कार्यक्रम, डायस प्लान, आमंत्रित महानुभावों की सूची सहित कार्यक्रम के आयोजन हेतु सभी बिंदुओं पर आवश्यक तैयारी अवसर पर राज्य के सभी जिलों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे तथा सभी जिले ऑनलाइन माध्यम से मुख्य समारोह से जुड़े रहेंगे।

ये रहे बैठक में

बैठक में मुख्य सचिव सुखदेव

सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव राजीव अरुण एक्का, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे, आपदा प्रबंधन-सह-योजना विभाग के सचिव अमिताभ कौशल, कृषि विभाग के सचिव अबू बकर सिद्दीकी, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव के. रवि कुमार, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के सचिव के. श्रीनिवासन, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग के सचिव विप्रा भाल सहित संबंधित विभाग के निदेशक एवं अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

कांटाटोली पलाईओवर निर्माण के दौरान हादसा, सुपरवाइजर की मौत

नामकुम अंतर्गत दुर्गा सोरेन चौक के समीप की घटना

वरीय संवाददाता

रांची : राजधानी में बुधवार को नामकुम थाना अंतर्गत दुर्गा सोरेन चौक के समीप कांटाटोली पलाईओवर के निर्माण के दौरान साईड सुपरवाइजर के पद पर कार्य कर रहे एक सिविल इंजीनियर की दर्दनाक हादसे में मौत हो गई। रिम्स में पुलिस को दी गई फर्स्टबयान में मृतक के भाई लाल मोहन कुमार ने बताया है कि उसके बड़े भाई चुड़ामणि कुमार डी आर ए कंस्ट्रक्शन प्राईवेट कंपनी में साईड सुपरवाइजर का कार्य कर रहे थे। बुधवार की सुबह करीब पौने दस बजे दुर्गा सोरेन चौक,नामकुम अंतर्गत पलाईओवर बनाने वाली



कंपनी के जमीन पर कार्य करने के दौरान अचानक हैडरा छोटा करने में अरिटर की लापरवाही से उसके भाई के सिर पर लगा। गंभीर रूप से घायल भाई को ईलाज के लिये तत्काल रिम्स लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं हादसे में घायल एक कर्मचारी का ईलाज रिम्स में चल

रहा है। जानकारी के अनुसार कांटाटोली पलाईओवर निर्माण के दौरान क्रेन से पाइलिंग हटाने का काम किया जा रहा था। गौरतलब है कि काफी जद्दोजहद के बाद कांटाटोली पलाईओवर का निर्माण तेजी के साथ किया जा रहा है,पलाईओवर निर्माण का कार्य दिनेशचंद्र आर अग्रवाल कंपनी को दिया गया है। हादसे में जान गंवाने वाले सिविल इंजीनियर चुड़ामणि झारखण्ड के गुमला जिले के रहने वाले हैं। जब से कांटा टोली पलाईओवर का निर्माण चल रहा है तब से वे रांची में रहकर ही पाइलिंग का काम देख रहे थे। इधर पलाईओवर निर्माण के दौरान हुए हादसे में घटी घटना से साइट पर काम करने वाले आक्रोशित अभियंताओं ने रिम्स और साइट पर हंगामा भी किया। हालांकि मौके पर पुलिस की टीम ने उन्हें शांत करवाया।

कर्ज से शॉपिंग पर सर्वे. दिल्ली, चेन्नई, लखनऊ, पटना और रांची समेत 16 शहरों में किया गया सर्वे

50 प्रतिशत लोगों को कर्ज लेकर शॉपिंग करना पसंद

हर महीने 30 हजार रुपये तक की कमाई करने वालों को सर्वे में शामिल किया गया

नयी दिल्ली : देश में लोग शॉपिंग करने के लिए ईएमआई ज्यादा पसंद कर रहे हैं। नकद रुपये, क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड या यूपीआई की जगह लोग ईएमआई कार्ड का इस्तेमाल करना पसंद कर रहे हैं। एक सर्वे में ये बात सामने आई है। मिंट की रिपोर्ट के मुताबिक, होम क्रेडिट रैंडिया की सालाना कंज्यूमर स्टडी हाऊ इंडिया बरौज में यह बात सामने आयी है। यह सर्वे हाउ इंडिया बरौज 2022, मुंबई, बेंगलुरु, दिल्ली, कोलकाता,

चेन्नई, लखनऊ, पटना और रांची सहित 16 शहरों में किया गया है। सर्वे के मुताबिक, यह पता चला है कि भारत में 50 प्रतिशत से अधिक लोग खरीदारी के लिए ईएमआई कार्ड या किसी

क्रेडिट कार्ड का उपयोग तुरंत भुगतान करने के बजाय करना पसंद करते हैं।



सर्वे में इन लोगों को किया गया शामिल

16 शहरों में किए गए इस सर्वे में 18 से 55 वर्ष के बीच के 1,500 ऐसे कर्जदारों को शामिल किया गया, जिनकी औसत आय 30,000 रुपये प्रति माह थी। सर्वेक्षण से पता चला कि 1500 लोगों में से 50 फीसदी से अधिक ने खरीदारी या अन्य क्रेडिट उद्देश्यों के लिए ईएमआई कार्ड को प्राथमिकता दी। सर्वेक्षण 'तेजी से विकसित होने वाले उपभोक्ता उधार व्यवहार' पर केंद्रित था। इसमें देखा गया कि सर्वे में शामिल 75 प्रतिशत से भी ज्यादा लोग कर्ज लेने को लेकर काफी सहज हैं। उन्होंने कंज्यूमर ड्यूरेबल्स या शॉपिंग के अलावा बिजनेस संबंधी जरूरतों या होम रेनोवेशन के लिए भी कर्ज लिया है। 60 फीसदी से ज्यादा लोग इंटरनेट बैंकिंग के बजाय मोबाइल बैंकिंग के माध्यम से कर्ज लेने में ज्यादा सुविधा महसूस करते हैं। इसमें बड़ी संख्या इंदौर, जयपुर, सूरत जैसे टियर 2 शहर के युवाओं की है। सर्वे में शामिल 60 प्रतिशत क्रेडिट ग्राहकों ने एम्बेडेड फाइनेंस में दिलचस्पी दिखायी। इनका कहना है कि इससे ई-कॉमर्स की शॉपिंग को आसान ईएमआई में बदला जा सकता है। इसे चुकाने में सहूलियत होती है। एक सर्वे में शामिल 50 प्रतिशत से ज्यादा लोग शॉपिंग के लिए ईएमआई कार्ड का इस्तेमाल पसंद कर रहे हैं। क्रेडिट कार्ड 25 प्रतिशत और बाय नाउ पे लेटर (बीएनपीएल) 19 प्रतिशत लोगों की पसंद है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि कर्जदार बेंगलुरु (82 प्रतिशत), पटना (74 प्रतिशत), लखनऊ (69 प्रतिशत), लुधियाना (68 प्रतिशत) और जयपुर (68 प्रतिशत) जैसे शहरों में फैले हुए हैं।

क्या है ईएमआई

बता दें कि ईएमआई एक मासिक किस्त है। इसमें किसी भी समान को खरीदने पर उसका पूरा प्रेमेंट मासिक किस्तों में किया जाता है।

कंपनियां भी खूब देती हैं ऑफर

बीते वर्षों में ऑनलाइन शॉपिंग तेजी से बढ़ी है। ऐसे में कंपनियां भी लोगों को सामान बेचने के लिए नो कॉस्ट ईएमआई का विकल्प देती हैं। इसमें सामान की पूरी रकम हर महीने छोटी किस्तों में देनी होती है और उसपर कोई ब्याज नहीं लिया जाता है। ऐसे में लोग रुपये कम होने के बावजूद सामान खरीद पाते हैं।

नक्सली कुंदन पाहन साक्ष्य के अभाव में बरी

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। अपर न्यायायुक्त मनोज चंद्र झा की अदालत ने बुधवार को भाकपा माओवादी के कुख्यात नक्सली कुंदन पाहन को साक्ष्य के अभाव में एक केस में बरी कर दिया। सुनवाई के दौरान रांची पुलिस की ओर से पांच गवाह प्रस्तुत किये गए। वर्ष 2008 में कुंदन पाहन के खिलाफ रांची के नामकुम थाना में पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई थी। कुंदन पाहन की ओर से अधिवक्ता ईश्वर दयाल किशोर ने पक्ष रखा। उल्लेखनीय है कि कुंदन पाहन ने राज्य सरकार की सरेंजर नीति के तहत वर्ष 2017 में रांची के



डीआईजी कार्यालय में आत्मसमर्पण किया था। इस पर पांच करोड़ नकद लूटने, एक किलो सोना लूटने, स्पेशल ब्रांच के इस्पेक्टर फ्रांसिस इंदवार और पूर्व मंत्री रमेश सिंह मुंडा की हत्या के अलावा कई मामले दर्ज हैं।

खेलो झारखंड 2022-23 प्रतियोगिता का समापन

रांची ओवर ऑल चैंपियन

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार के द्वारा आयोजित खेलो झारखंड 2022-23 राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का समापन खेल गांव में हुआ। रांची की टीम 106 प्वाइंट के साथ ओवर ऑल चैंपियन बनी, वहीं गुमला की टीम 79 प्वाइंट के साथ ओवरऑल रनर अप रही।

दूसरे चरण में खेले गए फुटबॉल बालिका स्पर्धा में हजारीबाग ने दुमका को, फुटबॉल बालक में खूंटी ने धनबाद को, कबड्डी बालिका में रांची ने रामगढ़ को, कबड्डी बालक में चरारा ने जामताड़ा को, वॉलीबॉल बालिका में गोड्डा ने गुमला को, वॉलीबॉल बालक में रांची ने बोकारो को फाइनल मुकाबले में हरा कर विजेता ट्रॉफी अपने नाम किया, वहीं आर्चरी में इंडियन राऊंड बालक में बोकारो स्वर्ण, रांची रजत और वेस्ट सिंहभूम कांस्य,



तथा बालिका में वेस्ट सिंहभूम स्वर्ण, बोकारो रजत, रांची कांस्य ने पदक जीता। वहीं ओवर ऑल विजेता रांची, वेस्ट सिंहभूम दूसरे स्थान पर तथा बोकारो तीसरे स्थान पर रहा।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि किरण कुमारी पासी भाप्रसे राज्य परियोजना निदेशक, झारखंड शिक्षा परियोजना रांची ने विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान किया। अतिथि के रूप में क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त

निदेशक पुष्पा कुजूर, दक्षिणी छोटानगपुर में विजेताओं को पदक प्रदान किए। धन्यवाद ज्ञापन धीरसेन ए सॉरेंग, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में इवेंट कोऑर्डिनेटर निशा पन्ना, विशाल रवि, बेला टोप्पो, विद्या कुमारी, जगजीत सिंह, समीर कुमार, एम मोदससर, फुटबॉल नोडल जफर इमाम, प्रदीप उरांव, कबड्डी नोडल

उमेश दास, आर्चरी नोडल अमरनाथ शर्मा, कराटे नोडल मो जावेद अंसारी, वॉलीबॉल नोडल अमित कुमार, एथलेटिक्स नोडल सिद्ध किस्कू, कुश्ती नोडल सुशील कुमार, हॉकी नोडल ललित जुगनू मिंज सहित राज्य भर के शारीरिक शिक्षकों एवं झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद के पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने प्रतियोगिता को सफल बनाने में मुख्य भूमिका निभाई।

लिटिल विंग्स स्कूल बी डिवीजन क्रिकेट लीग :

रॉकमैन रेड 8 विकेट से जीता

रांची : गोल चक्कर मैदान में खेले जा रहे हैं लिटिल विंस स्कूल बी डिविजन क्रिकेट लीग के तहत आज रॉकमैन रेड की टीम ने अरगोड़ा ब्लू को 8 विकेट से पराजित किया हां अरगोड़ा की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 31.3 ओवर में 157 रन बनाया जिसमें अश्वनी ने 27 रितेश ने 25 और सुमित ने 24 रनों का योगदान किया मारूप को तीन मॅट और सुनील को दो-दो विकेट मिले जवाबी पारी में रॉकमैन की टीम 21 ओवर में 2 विकेट खोकर 161 रन बनाकर मैच को जीत लिया श्रेयांश ने 61 रनों की पारी खेली नरेश 46 और अश्विन ने 27 रन टीम के लिए जोड़े प्रेम को दो विकेट मिले।

आरसीए ब्लू ने साई ए को हराया



रांची : आरसीए ब्लू की भारी जीत रांची प्रभात तारा मैदान में खेले जा रहे लिटिल विंस स्कूल बी डिविजन क्रिकेट लीग के तहत आज एक मैच में आरसीए ब्लू ने साई ए को 187 रनों से पराजित कर पूरे अंक अर्जित किए आरसीए ब्लू की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 30 ओवर में 4 विकेट पर 262 रन बनाए जिसमें अमित कुमार ने 69 सलमान मलिक ने 64 रनों का योगदान किया। जवाबी पारी में साई की टीम ने 21.4 ओवर में 75 रन पर ही सिमट गयी। प्रंजल ने 18 रन बनाया। समीर ने 9 रन देकर चार विकेट लिये, जबकि विशाल को दो विकेट मिले।

सचिन का नाबाद शतक खुश माही जीता



रांची : नेहरू स्टेडियम में खेले जा रहे हैं वेंचर स्किल अंडर 14 क्रिकेट लीग के तहत आज खुश माही की टीम ने एसजीबीएम को 294 रनों से पराजित कर भारी जीत दर्ज की खुश माही की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 35 ओवर में 1 विकेट पर 369 का विशाल स्कोर खड़ा किया, जिसमें सचिन ने नाबाद 126 रनों की पारी खेली। प्रत्यूष ने 86 नाबाद और अर्जुन ने 79 रन टीम के लिए जोड़े जवाब में एसजीबीएम की टीम ने 20.1 ओवर में 75 रन पर सिमट गई करण ने 16 और अनस ने 10 रन बनाए अनुराग ने 14 रन देकर पांच विकेट लिए जबकि अर्जुन और आयुष को दो-दो विकेट मिले।

जेएसएससी से तीन वर्ष में 357 कर्मियों की हुई नियुक्ति

रांची : झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन बुधवार को झारखंड सरकार ने माना है कि तीन साल में जेएसएससी से प्रदेश में सिर्फ 357 नियुक्तियां हुई हैं। भाजपा विधायक अनंत ओझा के अत्य सुविष्ट प्रश्न पर सरकार की ओर से यह जवाब दिया गया है। अनंत ओझा ने पूछा था कि क्या यह बात सही है कि राज्य में विभिन्न विभागों में स्वीकृत पद की तुलना में सिर्फ 35 फीसदी ही पदाधिकारी और कर्मचारी पदस्थापित हैं, जिससे सभी विभागों के कार्यों में प्रतिकूल असर पड़ रहा है। इसके जवाब में सरकार की ओर से बताया गया कि गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा गठित नियुक्ति नियमावली के आधार पर झारखंड वैज्ञानिक प्रतियोगिता परीक्षा 2021 के तहत 58 रिक्त पदों की नियुक्ति के लिए अध्यक्ष विभाग को अनुरंशा भेजी गई है। अब तक 56 कर्मी की नियुक्ति हो चुकी है। वहीं हाई कोर्ट के द्वारा पारित न्यायादेश के तहत रिसस में एक श्रेणी की पतिवारिका के लिए प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित कर 333 पदों पर नियुक्ति के लिए अनुरंशा भेजी गई है। अब तक 301 कर्मियों की नियुक्ति हो चुकी है।

श्री कृष्ण लोक सेवा संस्थान में गुड गवर्नॅस पर राज्यस्तरीय कार्यशाला आयोजित

सिस्टम में पारदर्शिता लानी होगी : सुधीर त्रिपाठी

►अंतिम कतार में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे सरकारी योजनाओं का लाभ : आदित्य स्वर्स्पा

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। राज्य के मुख्य सचिव रहे और अब झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष सुधीर त्रिपाठी ने कहा कि गुड गवर्नॅस एक सतत प्रक्रिया है, इसमें उद्वारण नहीं है। गुड गवर्नॅस का उद्देश्य कमजोर वर्ग के लोगों पर फोकस होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों का लोक हित की योजनाओं को अंतिम कतार में खड़े व्यक्ति तक पहुंचना लक्ष्य होना चाहिए। वे आज श्री कृष्ण लोक सेवा संस्थान में आयोजित गुड गवर्नॅस सप्ताह पर आयोजित राज्यस्तरीय कार्यशाला को संबोधित



कर रहे थे।

सुधीर त्रिपाठी ने कहा कि हमें सिस्टम में पारदर्शिता लानी होगी। यह कहना आसान है कि सोशल जस्टिस का समावेश हो रहा है। लोगों को न्याय मिल रहा है, लेकिन इसे गंतव्य तक पहुंचाना अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हर व्यक्ति बराबर का दर्जा रखता है, न्याय मिलने में किसी के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए।

बता दें कि श्री कृष्ण लोक सेवा संस्थान में 19 दिसंबर से 25 दिसंबर तक गुड गवर्नॅस सप्ताह पर राज्यस्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला में अति विशिष्ट अतिथि आदित्य स्वर्स्पा ने कहा कि प्रजा की खुशी में ही राजा की खुशी होती है। उन्होंने कहा कि पदाधिकारी किसी प्रकार की शिकायत आने पर उस पर त्वरित कार्यवाही करें और अपनी जवाबदेही को समझें।

उन्होंने कहा कि समाज के हर तबके तक सरकार का न्याय पहुंचना चाहिए। हमें विशेषकर कर्मचोर तबके पर अपना ध्यान देने की आवश्यकता है, क्योंकि उनकी आवाज कई बार हम तक नहीं पहुंच पाती। न्याय में किसी प्रकार का पक्षपात ना हो, न्याय हमेशा पारदर्शी होना चाहिए।

कार्यशाला में डॉ. के. श्यामला, एसोसिएट प्रोफेसर, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडीज एंड

खेलकूद व युवा कार्य निदेशालय ने की बैठक

मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता पर विमर्श

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : राज्य स्तरीय मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता 2022 के आयोजन हेतु खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय द्वारा एस्ट्रेटर्फ हॉकी स्टेडियम मोराबादी में आयोजन समिति की बैठक की गई। बैठक में मुख्य रूप से इससे पूर्व किए गए कार्य की समीक्षा की गई। प्रतियोगिता संचालन के लिए जितनी भी कमेटियां बनायी गयी हैं। सभी कमेटियों के सदस्यों से सफलतापूर्वक अपने अपने कार्य का सही ढंग से निर्वाह करने को कहा गया। मुख्यमंत्री फुटबॉल आमंत्रण प्रतियोगिता 2023 का सफल संचालन हेतु जूरी ऑफ अपील, स्वागत एवं निबंधन उप समिति, आवासन व्यवस्था उप समिति, भोजन व्यवस्था उप समिति, तकनीकी उप समिति, मैदान व्यवस्था उप समिति, चिकित्सा व्यवस्था उप समिति, उद्घाटन एवं समापन समारोह समिति ,टोप, डीए उप समिति, प्रचार प्रसार एवं मीडिया उप समिति, परिवहन उप समिति बनाया गया। इन सभी उप समिति के सदस्यों को उनके कर्तव्य एवं दायित्व के बारे में विस्तार से बताया गया एवं उस पर कार्य करने को कहा गया।इन कमेटियों के गठन से मैच का संचालन सही ढंग से संपन्न हो सकेगा मैच का संचालन रांची के दो मैदान, मोराबादी स्थित मंदिर मैदान एवं बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम मोराबादी में होगा, जबकि खिलाड़ियों



के ठहरने एवं भोजन की व्यवस्था एस्ट्रेटर्फ हॉकी स्टेडियम मोराबादी में की जाएगी। मैच का उद्घाटन 26 तारीख को बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम मोराबादी एवं समापन 29 दिसंबर 2022 को बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में होगा। उद्घाटन एवं समापन समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में चारों जोन के विजेता एवं उपविजेता महिला वर्ग एवं पुरुष वर्ग के खिलाड़ी भाग लेंगे प्रतियोगिता नॉकआउट कम लीग आधार पर खेला जाएगा इस प्रतियोगिता के विजेता टीम महिला एवं पुरुष दोनों वर्ग में को 300000 एवं उपविजेता को 200000, जबकि तीसरे स्थान आने वाले दोनों वर्ग के टीमों को

50,000 -50000 की पुरस्कार राशि दिए जाएंगे इन सभी टीमों को खेल किट भी प्रदान किए जाएंगे।इस बैठक में मुख्य रूप से श्री देव शंकर दास अवर सचिव खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय ,मनोहर टोपनो पूर्व हॉकी ऑलरॉपियन ,देवेंद्र कुमार सिंह खेल परामर्शी साझा, संजीत कुमार जिला खेल पदाधिकारी रांची उपायुक्त रांची के प्रतिनिधि कार्यपालक दंडाधिकारी संजय कुमार, पुलिस अधीक्षक द्वारा मनोनीत सदस्य भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रतिनिधि विनोद कुमार सिंह, झारखंड ओलंपिक संघ के प्रतिनिधि शिवेंद्र दुबे एवं रांची जिला फुटबॉल रेफरी संघ के प्रतिनिधि सरोज कुमार महतो एवं मंगल मिज के अलावे कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

एक नजर

गरीबों को भोजन कराने से बड़ा पुण्य कुछ नहीं : पायल

रांची : उड़ान संस्था की संस्थापक पायल सोनी के द्वारा बुधवार को बेटी के जन्मदिवस के अवसर पर रिम्स परिसर में मरीजों व परिजनों के बीच भोजन वितरण किया गया। मौके पर उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम में दूर-दराज से इलाज के लिये रिम्स आनेवाले मरीजों और ग्रामीणों को काफी परेशानी होती है। पैसे के अभाव में कई लोगों को भुखा रहना पड़ता है। ऐसे में अपनी बेटी के जन्मदिन पर गरीबों को भोजन कराने से बड़ा पुण्य कुछ नहीं हो सकता है। हर किसी को जन्मदिन हो या शादी की सालगिरह होटलों में नहीं मनाकर इन सभी के बीच भोजन वितरण कर माना चाहिये। इस दौरान भोजन वितरण करने में सत्यम सत्यदर्शी, सुनील सहित परिवार के अन्य लोग शामिल थे।



दुग्ध उत्पादक सहयोग समिति का वार्षिक आमसभा



चान्हो : दुग्ध उत्पादक सहयोग समिति पतरातू का वार्षिक आमसभा का आयोजन बुधवार को किया गया। आम सभा में वार्षिक लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया साथ ही सदस्यों को अक्रेक्षण संबंधी जानकारी दी गयी. कार्यक्रम में झारखंड मिल्क फेडरेशन के प्रबंध निदेशक सुधीर सिंह बतौर मुख्य अतिथि मौजूद थे। उन्होंने डेयरी व्यवसाय से जुड़े किसानों की आर्थिक उन्नति के संबंध में लोगों को विस्तार से बताया. समिति के अध्यक्ष भानु महतो ने दुग्ध उत्पादन से जुड़े किसानों को झारखंड मिल्क फेडरेशन से मिलने वाले लाभ व सहयोग की जानकारी उपलब्ध कराई। मौके पर प्रबंधकारिणी के सदस्य रविंद्र यादव, सविता देवी, रीता देवी, सरिता देवी, पप्पू यादव, विजय यादव, बसंती देवी, लहसन भगत, दशरथ साहू, शकुंतला देवी, सावित्री देवी सहित अन्य मौजूद थे।

आप जवानों के बदौलत ही हम सुरक्षित : सचिन कुमार



रातू। झारखंड जगुआर जिस तरह नाम उसी तरह काम ब्वह बात प्रसिद्ध सिने अभिनेता सचिन कुमार नन्दिya के पार फेम ने कही।सचिन कुमार रांची में झारखंड इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवार्ड में भाग लेने आए थे।इसी क्रम में सचिन कुमार मंगलवार को झारखंड जगुआर पहुंचे।सचिन कुमार के साथ अभिनेत्री शिखा मल्होत्रा,शिवानी शर्मा सहित मिस युएन अर्थ एंजेल मेरीना तिकीं भी थीं।झारखंड जगुआर के जवानो के साथ जगुआर परिसर का भ्रमण करते हुए यहां की खुबसुरती व हरियाली युक्त वातावरण से सभी मंत्रमुग्ध हो गए।मुंबई के कलाकारो ने फिर से यहां आने की इच्छा जताई।इससे पूर्व जवानो के साथ बात करते हुए सचिन कुमार ने कहा कि आज हम सब आप जवानो के बदौलत ही सुरक्षित है आपके बिना हमारी अस्तित्व कहाँ।सचिन कुमार ने झारखंड जगुआर के जवानो की प्रशंसा करने के साथ ही उनके त्याग,बलिदान एवं समर्पण को भी नमन किया। मौके पर झारखंड जगुआर के पुलिस उप महानिरीक्षक अनूप बिरथरे,पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र प्रसाद वर्णवाल,संजय मुकुल किस्पोटा,अजीत पीटर डुंगडुंग,कर्नल जेके सिंह,रामाकांत उपाध्याय सहित अन्य अधिकारी थे। इससे पहले सचिन कुमार सहित अन्य कलाकारो को मोमेंटो देकर सम्मानित भी किया गया।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बेड़ो : बेड़ो थाना क्षेत्र के दिघिया तुको तेतीटीला निवासी किसान मच्छंद्र साहू के लगभग 25 वर्षीय पुत्र संजय कुमार साहू उर्फ पांडे ने बुधवार की दोपहर अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इधर घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है। वहीं पुलिस मामले की तहकीकात कर रही है। इस संदर्भ में मृतक के पिता ने बेड़ो थाना में एक लिखित सूचना दिया है। इधर संजय कुमार उर्फ पांडे के घर में आत्महत्या किए जाने के बाद यह घटना तुको समेत आस पास के गांवों में तेजी से फैल गयी। वहीं इस घटना की सूचना आसपास के लोगों ने बेड़ो पुलिस प्रशासन को दिया।घटना की सूचना मिलने के बाद बेड़ो थाना प्रभारी मनीष कुमार गुप्ता व सब इंस्पेक्टर शिवनाथ रंजन सदर्ल बल घटनास्थल पर पहुंचे। वहीं पुलिस ने फंदे से लटकते हुए मृतक संजय कुमार उर्फ पांडे के शव को नीचे उतारा और पंचनामा करने के बाद शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रांची रिम्स भेज दिया। इधर घटना के संदर्भ में बेड़ो थाना प्रभारी मनीष कुमार गुप्ता ने बताया कि मामले की तहकीकात की जा रही है। वहीं पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण का पता चल पाएगा।



माओ) नक्सलियों के विरूद्ध कोल्हान कोर एरिया में अभियान संचालन किया जा रहा था । भाकपा(माओ) के एक-एक करोड़ के इनामी शीर्ष नेता मिसिर बेसरा , अनल दा असीम मंडल ,

प्रमोद मिश्रा व अनमोल , मोछु , चमन , कांडे , अजय महतो , सागेन अंगरिया और अपने दस्ता सदस्यों के साथ कोल्हान क्षेत्र में भ्रमणशील होने की सूचना सुरक्षा बलों को मिली थी । उक्त सूचना

सदभावना चैंपियन ट्राफी फुटबाल टूर्नामेंट

उद्घाटन मैच में बड़ाम की टीम ने इरबा को 3-0 से रौंदा



नवप्रदेश संवाददाता

अनगड़ा । स्वर्णरेखा फुटबाल क्लब सिकिंदिरी के तत्वावधान में आयोजित 9वाँ सदभावना चैंपियन ट्राफी फुटबाल टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच बड़ाम की टीम ने जीत लिया।बुधवार को स्वर्णरेखा जल विद्युत परियोजना सिकिंदिरी के फुटबाल मैदान में खेले गए उद्घाटन मैच में बड़ाम की टीम ने एकतरफा मुकाबले में इरबा की टीम को 3-0 से रौंद डाला। पुरे

मैच के दौरान बड़ाम की टीम इरबा पर हावी रही।पहले हाफ में दोनों टीमों गोलरहित बराबरी पर रही।मैच के दूसरे हाफ में बड़ाम की ओर से विशाल गाड़ी ने 53 वे और 78 वे मिनट में अपनी टीम के

लिए गोल दामा। जबकि,सुरेश मुंडा ने खेल के 65 वे मिनट में गोल किया। उद्घाटन मैच देखने बड़ी संख्या में दर्शक आए थे।खेल के दौरान दर्शक खिलाड़ियों का हौसला बढ़ा रहे थे। बेहतर खेल के लिए मुख्य अतिथि काफ़ी पूर्वी के जिला परिषद सदस्य सह आजसू रांची जिला अध्यक्ष संजय कुमार महतो व विशिष्ट अतिथि कांग्रेस के युवा नेता अमाल खान ने बड़ाम के खिलाड़ी विशाल गाड़ी को मैन आफ द मैच का पुरस्कार दिया।

इस से पूर्व मैच का उद्घाटन मुख्य अतिथि संजय कुमार महतो ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर व फुटबाल पर किक मारकर किया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कि इस

किसान के सिंचाई के

सामान खेत से चोरी

बेड़ो : बेड़ो थाना क्षेत्र के कराजी गांव में मंगलवार की रात किसान शंकर साहू का सिंचाई मशीन अज्ञात चोरों ने चोरी कर ली। इस संदर्भ में भुक्तभोगी शंकर साहू ने बेड़ो थाना में अज्ञात के विरुद्ध सहा दर्ज कराया है। जिसमें उसने पुलिस को बताया कि कराजी गांव के खटंगा मोड़ के समीप मेरे खेत में प्रत्येक दिन की तरह बुधवार की सुबह सात बजे गया, तो देखा की बोरिंग मशिन, स्टैप लाईजर, सिंचाई मशिन, सी फिट पानी फिता और तीन कुदाल गायब हैं। मेने अगल-बगल के घर वालों से भी पूछ-ताछ किया लेकिन कुछ भी पता नहीं चला।

झारखंड आंचलिक पत्रकार

संघ की बैठक 25 को रातू में

रातू : झारखंड आंचलिक पत्रकार संघ की वार्षिक सम्मेलन सह नववर्ष कार्यक्रम 25 दिसंबर को फन कैसल पार्क रातू में होने जा रहा है। इस बात की जानकारी देते हुए संघ के अध्यक्ष दिलीप ठाकुर ने कहा कि बैठक में सभी सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य है।



ਮੌਤ ਛਿਪਾ ਰਹੇ ਲਾਚਾਰ ਜਿਨਪਿੰਗ

गाना में कोविड-19 ने तबाही मचा रखी है। अस्पतालों में शवों का अंबार लगा है। जीरो-कोविड रणनीति को लेकर चीन के हालिया मूक-तब के बाद बाद कोरोना संक्रमण के मामलों और उससे होने वाली यूट-तब के तेज उछाल आया है। वैसे तो चीन ने सोमवार को कई हफ्तों बाद कोरोना से पहली मौत की पुष्टि की थी, लेकिन उसके आंकड़े संह के घेरे में हैं। पाबंदियों के हटने के बाद कोविड के मौत के आंकड़ों को चीन बहुत कम करके दिखा रहा है। उसे अपनी कोविड स्ट्रेटजी व अपने ही लोगों की तरफ से नवंबर में हुए जबरदस्त विरोध-प्रदर्शन के बाद बदलनी पड़ी। लोग लंबे समय से लागू सख्त लॉकडाउन के खिलाफ सड़कों पर उतर गये। अब चीन से यूट-2022 की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में हो सकती हैं। वृहान से शुरू हुए संक्रमण के दौर के बाद 2020 की शुरुआत में चीन थोड़ा सा लड़खड़ाया था, लेकिन उसके नेतृत्व ने जल्द ही दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी में सख्त लॉकडाउन लागू कर दी। 23 फरवरी 2020 को राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कोरोना को 'पाबंदि के साथ-साथ बड़ा इमिहान' बताते हुए ऐलान किया कि सख्त पाबंदियों का कार्यकारण है। उन्होंने इसे कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व और सोशलिस्ट सिस्टम की कामयाबी बताकर खुद की पीठ भी थपसायी। याद करें कि जब दुनिया को समझ नहीं आ रहा था कि कोरोना महामारी से कैसे निपटें, तब चीन ने खुद को बाकी दुनिया से पूरी तरह काट लिया। कम्युनिस्ट पार्टी ने सीना ठोकर दवा किया कि महामारी को लेकर उसके फैसले सही हैं और इससे समय रहते, कारगर तरीके से कोविड को नियंत्रित किया गया। उन्होंने गृहान से लॉकडाउन दिया और अमीर देशों में मदद को कोरोना से करह रहे विकासशील देशों को कोरोना से निपटने में उलट करना शुरू कर दिया। 2021 में पूरे साल बाकी दुनिया कोरोना से जूझ रही थी और वायरस लगातार फैल रहा था, यूट हो रहा था। कुछ अयवादी को छोड़ें तो भारत उभरता देशों में रहा, जिसने दूसरे जरूरत मह देशों को वैक्सिन भेजा। ज्यादातर देशों ने दूसरों की मदद के बजाय वैक्सिन को अपने लोगों के लिए रखा। एक आंकलन के मुताबिक, 2021 में कोरोना से 35 लाख लोगों की मौत हुई। लेकिन चीन दावा करता रहा कि उसके यहां कोरोना से एक भी मौत नहीं हुई है और उसके लोग बिना मास्क के स्वतंत्र होकर घूम रहे हैं। एक बार फिर से मास्क लौट आया है। चीन में कहर बरपा रहा है। पूरा देश वायरस से जूझ रहा है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग को लालाचार हैं और पूरी दुनिया से मरनेवालों की संख्या छिपा रहे हैं। कल तक वायरस की उत्पत्ति के मामले को शान से नकारने वाले जिनपिंग की जुबान पर ताला लगा हुआ है। शेष दुनिया के लोग चीन की यात्रा से बचने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन मास्क एक बार लौट आया है।

सामयिकी

राहुल गांधी की अंग्रेजी भक्ति

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

जगज्ज्थान में राहुल गांधी ने अंग्रेजी माध्यम की पढ़ाई की जमकर विरोध करती है। राहुल ने कहा कि भाषाएं अंग्रेजी की पढ़ाई का इसलिए विरोध करती हैं कि वह देश के गरीबों, किसानों, मजदूरों और ग्रामीणों के बच्चों का भला नहीं चाहती है। भाजपा के नेता अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में क्यों पढ़ाते हैं? राहुल ने जो आरोप भाजपा के नेताओं पर लगाया, वह सत्यवादी सच ही है, लेकिन राहुल जरा खुद बताएँ कि वह खुद और उसकी बहन जया हिंदी माध्यम की पाठशाला में पढ़े हैं? देश के सारे नेता भद्रलोक के लोग अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में इसीलिए भेजते हैं कि भारत दिमागी तौर पर अभी भी गुलाम है। उसकी सभी ऊंची-नौकरियाँ अंग्रेजी माध्यम से मिलती हैं। उसको कानून अंग्रेजी में बनने नहीं देना उसकी सरकारों और अदालतों अंग्रेजी में चलती हैं। भाजपा ने अपने नई शिक्षा नीति में प्राथमिक शिक्षा को स्वभाषा के माध्यम से चलाने का आग्रह नहीं किया है, जो कि बिल्कुल सही है। लेकिन भाजपा और कांग्रेस, दोनों की कहीं कहीं प्रांतीय सरकारों अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों को प्रोत्साहित कर रही हैं। किसी विदेशी भाषा को पढ़ना एक बात है और उसको अपनी पढ़ाई का माध्यम बनाना बिल्कुल दूसरी बात है। मैंने पहली कक्षा से अपनी अंतरराष्ट्रीय पीएचडी तक की परीक्षाएँ हिंदी माध्यम से दी हैं। स्वभाषा के माध्यम से पढ़ने का अर्थ यह नहीं है कि आप विदेशी भाषाओं का बहिष्कार करें। मैंने हिंदी के अलावा संस्कृत, जर्मन, रूसी और फारसी भाषाएँ भी सीखीं। अंग्रेजी तो हम पर थोप ही दी जाती है। राहुल का यह तर्क सही है कि गरीब और ग्रामीण वर्ग के बच्चे अंग्रेजी स्कूलों में नहीं पढ़ेंगे, इसलिए वे पिछड़ जाते हैं। वे भी अंग्रेजी पढ़ें और अमेरिका जाकर अमेरिकियों को भी हमाते हैं। राहुल की यह बात मुझे बहुत पसंद आई लेकिन मैं पूछता हूँ कि हमारे कितनी विद्यार्थी अमेरिका या विदेश जाते हैं? कुछ हजार छात्रों को वजह से कराड़ों छात्रों का दम क्यों घोटा जाए? जिन्हें विदेश जाना हो, वे साल-दो सालों में उस देश की भाषा जरूर सीख लें लेकिन किसी विदेशी भाषा को 16 साल तक अपनी पढ़ाई का माध्यम बनाए रखना और उसे करोड़ों बच्चों पर थोप देना कौन सी अक्लमंदी है? ग्रहण पर घाघड़ें लादी जाएँ? यदि हमारे नात लोग चाहते हैं कि गरीबों, प्रिण्टों, पिछड़ों, किसानों और मजदूरों के बच्चों को भी जीवन में समान अवसर मिलें तो देश में सभी बच्चों के लिए स्वभाषा-माध्यम की पढ़ाई अनिवार्य होनी चाहिए। अंग्रेजी माध्यम की पढ़ाई पर कठोर प्रतिबंध लगा चाहिए। विदेशी संपर्कों के लिए हमें सिर्फ अंग्रेजी पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। विश्व-व्यापार, विश्व नीति और उच्च शोध के लिए अंग्रेजी के साथ-साथ फ्रांसीसी, जर्मन, चीनी, रूसी, अरबी, हिस्पानी, जापानी आदि कई विदेशी भाषाओं की पढ़ाई भी भारत में सुलभ होनी चाहिए। दुनिया के किसी भी संपन्न और शक्तिशाली राष्ट्र में छात्र-छात्राओं की पढ़ाई का माध्यम विदेशी भाषा नहीं है।

(लेखक, भारतीय विदेश नीति परिषद के अध्यक्ष हैं।)



मुकुंद

अंतरराष्ट्रीय सीमा पर खासतौर पर विवादित क्षेत्र में सैन्य गतिविधियों पर सरकार के आधिकारिक बयान का गहरा कूटनीतिक भ्रसर होता है। सरकार के हर बयान को दूसरा देश इधियार की तरह इस्तेमाल कर सकता है।



आरके सिन्हा

हमें यह भी याद रखना होगा कि हम भले ही फीफा कप में बहुत आगे नहीं जा पा रहे हैं, पर हमारे खिलाड़ी भी कई अन्य खेलों में बेहतरीन उपलब्धियां दर्ज कर रहे हैं। इसलिए हमें अपने खिलाड़ियों और टीमों को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। हां, हमें भी खेल के मैदान में लगातार श्रेष्ठ प्रदर्शन तो करते ही रहना है।



योगेश कुमार गोयल

रामानुजन ने गणितीय विश्लेषण, अनंत श्रृंखला, संख्या सिद्धांत तथा निरंतर भिन्न अंशों के लिए आश्चर्यजनक योगदान दिया और अनेक समीकरण व सूत्र भी पेश किए।

खेल का मैदान किस तरह से देश की सोमाओं से लेकर वर्गभेद मिटा देता है, वह सारी दुनिया ने बीते रविवार को देखा। फीफा विश्व कप के फाइनल को देखने का भारत से लेकर दुनिया के कोने-कोने में रहने वाले खेल प्रेमी इंतजार कर रहे थे। जाहिर है कि जो फाइनल मैच को देख रहे थे, उनमें से अधिकतर का संबंध न तो फ्रांस से था और न ही अर्जेंटीना से। पर इन दोनों देशों के खिलाड़ियों ने अपने श्रेष्ठ खेल और खेल भावना से सबका दिल जीता। ये सबके हो गए और सब इनके हो गए। यही तो खेल की सच्ची भावना है। फ्रांस और अर्जेंटीना के खिलाड़ियों को देखकर लगा ही नहीं कि ये हमारे नहीं हैं। इनमें हम भी अपने खेल के नायकों जैसे सचिन तेंदुलकर, नीरज चोपड़ा या लिफेंडर पेस को ही देख रहे थे।

खेल देशों-दुनिया को जोड़ता है। एक सूत्र में पिरोता है। हमने कम मोहम्मद अली, पेले, माराडोना, लारा, रोजर फेडरर या उसने बोलते को अपना नहीं माना। इसी तरह से हमारे सफल खिलाड़ियों जैसे दादा ध्यानचंद, मिल्खा सिंह, विजयनाथन आदि को देश और देश से बाहर खेल प्रेमियों का भरपूर प्यार मिलता रहा। कुछ समय प्रलेख महान टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर ने टेनिस की दुनिया से संन्यास लिया था। तब सारी दुनिया के खेल प्रेमी उनके चमत्कारी करियर को याद कर रहे थे। उनमें भारतीय भी तो कोई कम नहीं थे। कोई खिलाड़ी मेसी, एम्बाप्पे, रोजर फेडरर, डिगोस माराडोना, मोहम्मद अली या कपिल देव कैसे बन जाता है? इस सवाल का उत्तर तलाश करने के लिए बहुत मेहनत करने की जरूरत नहीं है। सचि खिलाड़ी मेहनत करते हैं। पर अच्छा प्रदर्शन करने के बाद भी सब महान नहीं कहे जाते। वे ही महान माने जाते हैं जो बिग मैच प्लेयर होते थे। वे बड़े और अहम मैचों में छा जाते थे। तब उनका जलवा देखते ही बनता था। बड़े खिलाड़ी का यही सबसे बड़ा गुण होता है कि वे खाम मैचों या विपरीत हालात में छो जाते हैं। मेसी तथा किलियन एम्बाप्पे ने फीफा कप के फाइनल मैच में लाजवाब खेल का प्रदर्शन किया। मेसी और एम्बाप्पे ने कुल जमा तीन और चार गोल किए। ये गुण होता है कि किसी बड़े खिलाड़ी को जो उसे महान बनाता है। मतलब जब टीम को आपकी सर्वाधिक जरूरत होती है तब ही आप अपने जौहर



दिखाते हैं। कई बेहतरीन खिलाड़ी कमजोर प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ अपने जौहर नहीं दिखा पाते थे। लेकिन, ये फाइनल या अन्य खास मैचों के समय अपने जख्मों विलखते हैं।

मेसी और एम्बाप्पे जैसे खिलाड़ी विश्व नागरिक बन चुके हैं। उन्हें सारी दुनिया प्यार करती थी। बड़े प्लेयर के साथ यही होता है। वह सक्का होता है और सब उसके होते हैं। अब धावक उसने बोल्ट को लें। उन्हें भारत में उतना ही अपना माना जाता है जितना किसी अन्य देश में। वैसे ये तो हमें का सें।

1 रोजर फेडरर दिसंबर, 2015 में दिल्ली में कुछ प्रदर्शनी मैच खेलने आए थे। भारत के टैनिंग के शैक्षकों को लीजेंड बन चुके रोजर फेडरर को साक्षात् देखने का मौका मिल रहा था। रोजर फेडरर को खेलते हुए देखकर दर्शक झूम रहे थे। फेडरर बार-बार दर्शकों का अभिवादन स्वीकार करते हुए हाथ हिला रहे थे। हाईड, क्ले और ग्रास तीनों कोर्ट में एक जैसा शानदार प्रदर्शन करने वाले फेडरर जब कोर्ट में उतरते तो फिटनेस का चरम लग रहे थे। उनके चेहरे पर एक सुपर स्टार वाली गरिमा को देखा जा सकता था। मुझे यह प्यार ही है 1976 की गणतंत्र दिवस की वह अंश। तब वहां पर महानायक मुकेशबाज मोहम्मद अली आए थे। उस समय इमरजेंसी का दौर चल रहा था। पेरड शूरू होने में कुछ पल शेष थे। तब ही लाउड स्पीकर से घोषणा हुई कि विश्व हीरोवेट मुकेशबाज कैप्टन मोहम्मद अली राजपथ पर पधार रहे हैं। यह जानकर राजपथ पर मौजूद हजारों लोग प्रसन्न हो गए थे। मोहम्मद अली तब अपने करियर के शिखर पर थे। ये विश्व नायक थे। ये पेरड शूरू होने से पहले राजपथ पर आ गए थे। उनके चहने वाले उनका नाम लेकर उनका अभिवादन कर रहे थे। लंबे-ऊंचे कद के मोहम्मद अली जबवा में अपने कोर्ट को हवा में घुमा रहे थे। मोहम्मद अली देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के साथ बैठे थे। दुर्भाग्य से वह दौर सेल्फी का नहीं था। बहरहाल, लियोनेल मैसी का विश्व विजेता बनने का सपना आखिरकार पूरा हो गया। 2014 में खिताब चूकने वाले मेसी की टीम ने फीफा वर्ल्ड कप इतिहास के सबसे रोमांचक फाइनल में फ्रांस को फुल टाइम में 3-3 से स्कोर बराबर रहने के बाद पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हरा दिया। यह अर्जेंटीना का तीसरा खिताब है। इससे पहले उसने 1978 और 1986 में टूर्नामेंट अपने नाम की थी। पेनल्टी शूटआउट में अर्जेंटीना की

गोलकीपर मार्टिनेज ने कमाल कर दिया।
उन्होंने दो मौके बचाए और मेसी का सपना
पूरा कर दिया। इसके साथ ही मेसी का नाम
माराडोना के साथ सुनहरे अक्षरों में लिख दिया
गया है।

भारत की भी मेसी, एम्बाप्पे, फेडरर और नीरज चोपड़ा जैसे सैकड़ों विश्वास से लबरेज खिलाड़ियों की दरकार है। अभी तो बस शुरुआत है। किसी भी देश का विकास इस बात से साबित होता है कि उधर खेलों की दुनिया में किस तरह की उपलब्धियाँ अंजित की जा रही हैं। भारत की पुरुष बैडमिंटन टीम का भी इस साल इतिहास पुरचा। आप जानते हैं कि भारत ने थामस कप के फाइनल में 14 बार के चैंपियन इंडोनेशिया को 3-0 के अंतर से हराकर ये उपलब्धि हासिल की। लक्ष्म्य सेन, किदांबी श्रीकांत, सात्विक साईराज और चिराग शेठ्ठी ने भारत को थामस कप जीतवाया। इसे बैडमिंटन की विश्व चैंपियनशिप माना जाता है। थामस कप में विजय से पहले भारत के बैडमिंटन संसेशन लक्ष्म सेन आर्ल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच गए थे। और बाद भारतीय मुक्केबाज निखिल जरीन की भी वह इस्तांबुल में महिला विश्व चैंपियनशिप के फ्लॉवेट (52 किग्रा) में एकतरफा फाइनल में थाईलैंड की जितपोंग जुतगोना 5-0 से हराकर विश्व चैंपियन बनीं। लक्ष्म्य सेन की मुक्केबाज जरीन ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान प्रतिद्वंद्वियों पर दबाव बनाए रखा और फाइनल में थाईलैंड की खिलाड़ी को सर्वसम्मत फैसले से हराया।

छह बार की चैंपियन एमसी मैरीकोम (2002, 2005, 2006, 2008, 2010 और 2018), सरिता देवी (2006), जेनी अरएएल (2006) और लेखा केसी इससे पहले विश्व खिताब जीत चुकी हैं। तो हमें यह भी याद रखना होगा कि हम भले ही फीफा कप में बहुत आगे नहीं जा पा रहे हैं, पर हमारे खिलाड़ी भी कई अन्य खेलों में बेहतरीन उपलब्धियां दर्ज कर रहे हैं। इसलिए हमें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। हां, हमें भी खेल के मैदान में लगातार श्रेष्ठ प्रदर्शन तो करते ही रहे हैं।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार
और पूर्व सांसद हैं।)

रामानुजन इसलिए हैं गणितज्ञों का गणितज्ञ

**राष्ट्रीय गणित दिवस
/22 दिसंबर विशेष**



में किसी तरह का प्रशिक्षण नहीं लिया था। गणित में अतुलनीय योगदान के लिए श्रीनिवास रामानुजन को के. रंगनाथ राव पुरस्कार भी दिया गया था। उनका गणित प्रेम इतना बढ़ गया था कि उन्होंने दूसरे विषयों पर ध्यान देना ही छोड़ दिया था। दूसरे विषयों की कक्षाओं में भी वे गणित के ही प्रसंगों को हल किया करते थे। नतीजा यह हुआ कि 11वीं कक्षा की परीक्षा में वे गणित के अलावा दूसरे सभी विषयों में

अनुतीर्ण हो गए और इस कारण उन्हें मिलने वाली छात्रवृत्ति बंद हो गई। परिवार की आर्थिक हालत पहले ही ठीक नहीं थी, इसलिए परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी करने के लिए उन्होंने गणितज्ञ रामास्वामी अय्यर के सहयोग से मद्रास पोर्ट ट्रस्ट में क्लर्क की नौकरी करनी शुरू की। नौकरी के दौरान भी वे समय मिलते ही खाली पन्नों पर गणित के प्रश्नों को हल करने लग जाया करते थे।

क दिन एक ब्रिटिश की नजर उनके द्वारा हल किए गए गणित के प्रश्नों पर पड़ी तो वह उनकी प्रतिभा से बहुत प्रभावित हुआ। उसी अंग्रेज के माध्यम से रामानुजन का सम्पर्क जाने-माने ब्रिटिश गणितज्ञ और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जीएच हार्डी से हुआ। हार्डी ने उनकी विलक्षण प्रतिभा को भांपकर उन्हें अपनी प्रतिभा को साकार करने के लिए लंदन बुला लिया और उनके लिए कैम्ब्रिज के ट्रिनिटी कॉलेज में व्यवस्था की, जिसके बाद उनकी ख्याति दुनियाभर में फैल गई। जीएच हार्डी ने रामानुजन को बूलर, गोस, आर्किमिडीस, आईज़ेक न्यूटन जैसे दिग्गजों के समकक्ष श्रेणी में रखा था। 1917 में उन्हें लंदन मैथेमेटिकल सोसायटी का सदस्य चुना गया और अगले ही वर्ष इंग्लैंड की प्रतिष्ठित संस्था रॉयल सोसायटी ने उन्हें अपना फैलो बनाकर सम्मान दिया।

रामानुजन ने करीब पांच साल कैम्ब्रिज में बिताए और उस दौरान गणित से संबंधित कई

दौरान उन्होंने मुख्यतः संख्या सिद्धांत के क्षेत्र में कार्य किया। प्रोफेसर जीएच हार्डी के साथ मिलकर रामानुजन ने कई शोधधन प्रकाशित किए और उन्हीं में से एक विशेष शोध के लिए कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय ने रामानुजन को बीएफ की उपाधि भी प्रदान दी। महान गणितज्ञ जॉर्ज रामानुजान की गणना आधुनिक भारत के उन व्यक्तियों में की जाती है, जिन्होंने विश्व में नए ज्ञान को पाने और खोजने की पहल की।

भारतीय गणित की महान परम्परा के वाहक श्रीनिवास रामानुजन को गणितज्ञों का गणितज्ञ और संख्या सिद्धांत पर अद्भुत कार्य के लिए प्रसिद्ध संख्याओं का जादूगर भी कहा जाता है, जिन्होंने खुद से गणित सीखा और जीवनभर में गणित के 3884 प्रमेयों (थ्योरम्स) का संकलन किया, जिनमें से अधिकांश प्रमेय सही सिद्ध किए जा चुके हैं। रामानुजन ने गणितीय विश्लेषण, अनंत श्रृंखला, संख्या सिद्धांत तथा निरंतर भिन्न अंशों के लिए आश्चर्यजनक योगदान दिया और अनेक समीकरण व सूत्र भी पेश किए। वे ऐसे विश्वविख्यात गणितज्ञ थे, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों और विषय गणित की शाखाओं में अविस्मरणीय योगदान दिया और जिनके प्रयासों तथा योगदान ने गणित को एक नया अर्थ दिया। उनके द्वारा की गई खोज रामानुजनीयता तथा रामानुजन प्राप्ति ने इस विषय पर आगे के शोध और विकास के लिए दुनियाभर के शोधकर्ताओं को प्रेरित किया।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

कूटनीतिक मजबूरी का राजनीतिक लाभ उठाने की घातक कोशिश



ताकत से उठाई जा रही है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चीन तो लगातार भारत के खिलाफ दुष्प्रचार करता रहता है।

साशिल मांडिया में वायरल हो रहा एक वीडियो के आधार पर दावा किया जा रहा है कि तवांग में भारतीय फौजियों ने किसमत बहादुर चीनी सैनिकों की धुनाई की। यह वीडियो विदेशों में भी वायरल हो रहा है। इस वीडियो को देखकर ताइवान ही नहीं बल्कि पाकिस्तान तक में लोग भारतीय सेना के शौर्य की प्रशंसा कर रहे हैं। लेकिन मोदी विरोध में सारी सीमाएं लांचकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के बेहदे ढंग से कह रहे हैं कि भारतीय सैनिकों को

सीमा पर पीटा जा रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर और तमाम रक्षा विशेषज्ञों ने उनकी इस भाषा पर कड़ी आपत्ति जताई है। कुछ इसी तरह की बयानबाजी उन्होंने गलवान में भारतीय जाबाजों के बलिदान के बाद भी की थी।

छले कुछ सालों से वास्तविक नियंत्रण रखा पर
चीन की आक्रामकता की खबरें ज्यादा आ रही हैं
इसका सबसे बड़ा कारण देश में मोदी सरकार
बनने के बाद सामरिक नीति में आमूलचूल
परिवर्तन होा है। चीन से लगी देश की सीमाओं
की सुरक्षित बनाने के लिए दशकों पुरानी नीति
बदल कर मोदी सरकार ने आधारभूत ढांचे के

विकास पर खासा जोर दिया। माना जाता है कि 2020 में भारत के 250 किलोमीटर से अधिक ऊंचाई वाले दारुबुक-श्वेतक-लैतबेग आब्लडी मार्ग का निर्माण तेज कर देने के कारण ही चीन की सेना ने आक्रामक होकर भारतीय गश्तीदल पर हमला कर दिया था। सीमा एलसूई के बजट में भारी बढ़ोतरी करके पलसूई के आसपास के क्षेत्रों में सहकों, पुलों और सुरंगों का निर्माण कराना जा रहा है जिससे जरूरत पड़ने पर भारतीय सेना, गोला बारूद और रसद को आसानी से पहुंचाया जा सके। उत्तराखंड के चार हिन्दू तीर्थों गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ को जोड़ने के लिए तैयार की गई चार धाम राजमार्गों परियोजना को भले ही धार्मिक महत्व के तौर पर देखा जा रहा हो लेकिन सीमावर्ती क्षेत्र में संसके सामरिक महत्व को रक्षा विशेषज्ञ भलोभाति समझते हैं।

चीन के राष्ट्रपति शी जिंपिंग इन दिनों अंरुहनी राजनीति में बुरी तरह उलझ गए हैं। नियमों में बदलाव करके तीसरी बार चीन का राष्ट्रपति बनने के लिए उन्होंने अपने धुर विरोधी पूर्व राष्ट्रपति हु जिंताओं को चीन के ग्रेट हॉल में चल रही 20वीं पार्टी काँग्रेस से छिपा रह बहार निकलवा दिया यह किसी से क्या तह हैं। इतना ही नहीं उन्होंने चीन का राष्ट्रपति बनने का प्रस्ताव पेश होने से पहले प्रधानमंत्री ली केकियांग और दूसरे पार्टी नेताओं को किनारे लगा दिया। इससे चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के भीतर की उनका काफी विरोध हो रहा है। इसके अलावा दुनियाभर में कोरोना महामारी फैलाने का कलंक भी चीन और शी

जिनपरिण के माथे लगा हुआ है। कोरोना की नई लहर को रोकने के नाम पर चीन में नागरिकों पर भारी प्रतिबंध लगा दिए गए। इसके खिलाफ लोगों ने विद्रोह कर दिया। दशकों बाद हुए विरोध प्रदर्शनों से जिनपरिण सरकार को अपने कदम पीछे खींचने पड़े। उस ज़ोरो कावर्ड नीति के विपरीत लोगों को कड़े प्रतिबंधों से छुट देनी पड़ी।

चीन से लगी सीमा की सुरक्षा को लेकर मनमोहन सिंह की सरकार ने वर्ष 2013 में अपने आखिरी संसद में 80 जवानों वाली मॉर्टर एंटीस्टाफ् कांप के गठन की योजना बनाई थी पर वह सिर नहीं चढ़ा सकी। इस योजना पर रक्षा विशेषज्ञों की राय रही है कि बिना आवागमन ढांचे के दुर्गम क्षेत्रों में इन जवानों की तैनाती संभव नहीं है। इसके अलावा वर्षमान दौर में युद्धों को जीतने के लिए बड़ी सेना के मुकाबले स्मार्ट और आधुनिक तकनीक वाली सेना ज़्यादा महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रीय हितों को दर्शितार कर राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए सरकार की कूटनीतिक मजबूतियों को फायदा उठाने की कोशिश में जुट गई विपक्षी नेता चीन के सामान के आयात पर भी सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे कार्यक्रमों के जरिए चीन से व्यापार घाटे की बढ़त रोकने के प्रयास किए जा रहे हैं। वर्तमान हालात का देखते हुए हमें तेजी से चीन पर निर्भरता को कम करना होगा। साथ ही विपक्ष के सामरिक महत्व के इस मुद्दे पर अनावश्यक राजनीति करने से परहेज करना होगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

यात्रियों के सुविधा के लिए, चलेगी स्पेशल ट्रेन

नवप्रदेश/कोडरमा। पटना-सिकंदराबाद एवं धनबाद-एणाकुलम के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन बरौनी, हाजीपुर के रास्ते गुवाहाटी-राजकोट का भी होगा परिचालन यात्रियों की सुविधा के लिए पटना-सिकंदराबाद, धनबाद - एणाकुलम एवं बरौनी हाजीपुर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं. होते हुए गुवाहाटी एवं राजकोट के मध्य स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जाएगा। (1) 03253

पटना-सिकंदराबाद स्पेशल: यह स्पेशल ट्रेन दिनांक 26.12.2022 से 30.01.2023 तक प्रत्येक सोमवार एवं बुधवार को पटना से 15.00 बजे प्रस्थान करेगी। यहां से यह गाड़ी विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए दूसरे दिन 03.30 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी। (2) 03254 सिकंदराबाद-पटना स्पेशल: यह स्पेशल ट्रेन दिनांक 28.12.2022 से 01.02.2023 तक प्रत्येक बुधवार एवं शुक्रवार



को सिकंदराबाद से 21.40 बजे प्रस्थान करेगी। यहां से यह गाड़ी विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए दूसरे दिन 09.30 बजे पटना पहुंचेगी। अप एवं डाउन दिशा में यह स्पेशल ट्रेन जहानाबाद, गया, कोडरमा, नेसुबो गोमो, बोकारो स्टील सिटी, रांची एवं अन्य स्टेशनों पर रूकेगी। (3) 03357 धनबाद-एणाकुलम स्पेशल: यह स्पेशल ट्रेन दिनांक 25.12.2022 से 29.01.2023 तक प्रत्येक

रविवार को धनबाद से 06.00 बजे प्रस्थान कर विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए मंगलवार को 08.00 बजे एणाकुलम पहुंचेगी। (4) 03358 एणाकुलम-धनबाद स्पेशल: यह स्पेशल ट्रेन दिनांक 27.12.2022 से 31.01.2023 तक प्रत्येक मंगलवार को एणाकुलम से 21.00 बजे प्रस्थान कर विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए गुरुवार को 22.00 बजे धनबाद पहुंचेगी। अप एवं डाउन दिशा में

यह स्पेशल ट्रेन बोकारो स्टील सिटी, रांची एवं अन्य स्टेशनों पर रूकेगी। (5) 05638 गुवाहाटी-राजकोट स्पेशल: यह स्पेशल ट्रेन दिनांक 28.12.2022 एवं 04.01.2023 को गुवाहाटी से 09.00 बजे प्रस्थान कर विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए दूसरे दिन 19.10 बजे राजकोट पहुंचेगी। (6) 05637 राजकोट-गुवाहाटी स्पेशल: यह स्पेशल ट्रेन दिनांक 31.12.2022 एवं 07.01.2023

को राजकोट से 13.15 बजे प्रस्थान कर विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए दूसरे दिन 20.30 बजे गुवाहाटी पहुंचेगी। अप एवं डाउन दिशा में यह स्पेशल ट्रेन न्यू बोंगाईगांव, न्यू कूचबिहार, न्यू जलपाईगुड़ी, कटिहार, बरौनी, हाजीपुर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं., मिर्जापुर, सतना, बीना, उज्जैन, नागडा, रतलाम, छायापुरी, अहमदाबाद एवं सुरेंद्रनगर स्टेशनों पर रूकेगी।

बड़ी कार्रवाई : नगर परिषद ने 5 दुकानों को सामान सहित किया सील

गुमला। बुधवार को पूर्व निर्धारित योजना के तहत नगर परिषद के द्वारा बस पड़ाव प्रक्षेत्र की पांच दुकानों को सामान सहित सील कर दिया गया। कार्यपालक पदाधिकारी संजय कुमार के निर्देश पर नगर प्रबंधक हेमलाल अहमद की अगुवाई में चले इस सीलिंग अभियान में जिन पांच दुकानों को सील किया गया वे मेहताब कुरैशी, शिव शंकर कुमार, रिशु कुमार, जयप्रकाश शाह तथा कृष्णा कुमार के कब्जे में थी। इन कब्जा धारियों ने 2008 के बाद से अभी तक नगर परिषद को मासिक किराया नहीं दिया था। इन सभी दुकानदारों को बार-बार लिखित व मौखिक नोटिस व चेतावनी देने के बावजूद न तो ये लोग दुकान का किराया दे रहे थे और न ही दुकान खाली कर रहे थे। सामान खाली नहीं करने की स्थिति में बुधवार को इन पांचों दुकानों को सील कर दिया गया। कार्यपालक पदाधिकारी संजय कुमार के लिखित आदेश के बाद मजिस्ट्रेट एवं पुलिस की मौजूदगी में उक्त सीलिंग की कार्रवाई की गई। कार्यपालक पदाधिकारी संजय कुमार ने बताया कि पिछले दिनों बस पड़ाव क्षेत्र की 40 दुकानदारों को नोटिस देकर दुकानें सील करने की चेतावनी दी गई थी, जिस पर 28 दुकानदारों ने त्वरित पहल करते हुये अपनी राशि जमा कर दी थी। तीन दिन पहले शेष दुकानों को सील करने के आदेश जारी होने के बाद 7 अन्य बकाएदार भी आनन-फानन में राशि जमा कर गए। किंतु उपरोक्त पांच दुकानों के कब्जा धारी लोगों ने न तो राशि जमा की और ना ही दुकानें खाली कीं। इस पर बुधवार को सीलिंग की कार्रवाई की गई।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स स्वास्थ्य एवं अस्पताल प्रबंधक समिति की बैठक संपन्न

गुमला: उपायुक्त सुशांत गौरव की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभाकक्ष में जिला टास्क फोर्स स्वास्थ्य एवं अस्पताल प्रबंधक समिति की स्मैक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। जिले में स्वास्थ्य की सुविधा को बेहतर करने एवं लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उपायुक्त ने कई मुख्य बिंदुओं पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिया। चाइना में कोविड 19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए उपायुक्त ने जिले वासियों को सचेत रहने की दी सलाहचाइना में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग की टीम को तैयार रहने का निर्देश। उन्होंने सिविल सर्जन एवं स्वास्थ्य विभाग के सभी डॉक्टर्स/ कर्मियों/ एएनएम आदि सभी फ्रंट लाइन वारियर को फिरेसे कोविड के सभी विधियों का पालन करते हुए तैयार रहने की बात कही, ताकि जिले के किसी भी मरीज को रांची रेफर करने की आवश्यकता न पड़े।

परतांगों जंगल में वनभोज



डोमचांच (कोडरमा) श्री महेश एकेडमी, डोमचांच के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने डोमचांच के पिकनिक स्पॉट के रूप में चिन्हित परतांगों जंगल में वनभोज किया. बच्चों ने प्रकृति के गोद में पहुंचकर जंगलों एवं जल स्रोतों से परिचित हुए और खूब मौज मस्ती किया. इस अवसर पर विभिन्न तरह के व्यंजनों को स्वयं बनाकर मिल-जुल कर खाने का आनंद लिया. एक तरफ जहां शाकाहारी पसंद करने वालों ने खीर, पूड़ी-सब्जी, तिलकुट- मिक्सचर का आनंद लिया. वहीं दूसरी तरफ मांसाहारी लोगों ने चिकन, चावल और सलाद- पापड़, पास्ता खाया. पिकनिक कार्यक्रम में श्री महेश एकेडमी के निदेशक सुनील कुमार सिन्हा, प्राचायां रीना दाराद, मोहन लाल पांडेय, मुकुल कुमार, नकुल पांडेय, संजय कुमार, श्रवण कुमार, शुभम कुमार ,सोफाली कुमारी, सपना गुप्ता विद्या भारती, रैशनी कुमारी,किरण कुमारी,श्रेया सागर, नेहा कुमारी, प्रांजल पाण्डेय, श्रवण यादव, सूरज कुमार, अनुराग पाण्डेय, शुभम कुमार, विशाल कुमार,सन्नी मेहता , रोहित कुमार, निशांत कुमार , जागृति, संस्कृति, प्रगति,समर, प्रिंस, आशीष सहित दर्जनों छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

चोरी किए गए ट्रैक्टर को डोमचांच पुलिस ने 72 घंटे के अंदर किया बरामद

डोमचांच (कोडरमा): थाना पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए बीते 17 दिसंबर को टीवीएस शो रूम के समीप से चोरी हुई एक ट्रैक्टर को खरकोट्टा स्थित सुवरलेटी जंगल से बरामद किया है। बता दें की डोमचांच पुलिस ने उक्त ट्रैक्टर को 72 घंटे के अंदर बरामद कर लिया है और चोरी के मामले में तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। उक्त अभियुक्तों की पहचान (1) सुबोध यादव पिता स्व डोमन यादव, सतागांवा निवासी (2) विशाल कुमार पिता विनेश्वर मांझी (3) सन्नी कुमार पिता महेश चौधरी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। छापेमारी दल में थाना प्रभारी अब्दुल्लाह खान, एस आई विनय कुमार, एसएसआई इसराज अहमद, सतबीर सिंह आदि मौजूद थे।

विधायक ने पंचायत स्वयं सेवकों के मानदेय एवं स्थायीकरण का मामला उठाई सदन में

कोडरमा। विधायक डॉ नीरा यादव ने विधानसभा में शौतकालीन सत्र के शून्यकाल के दौरान पंचायत स्वयं सेवकों के मांगों को सदन में रखा। उन्होंने कहा झारखंड राज्य अंतर्गत पंचायती राज व्यवस्था को सुदृढ़, पारदर्शी एवं जाबवादेही बनाने के लिए प्रत्येक पंचायत में वर्ष 2016 में आरक्षण एवं स्थानीयता को ध्यान में रखते हुए कोडरमा विधानसभा क्षेत्र सहित सम्पूर्ण राज्य में पंचायत स्वयं सेवकों की नियुक्ति की गई थी परंतु छः वर्षों के सेवाकाल में इन्हें प्रोत्साहन राशि का ही भुगतये हुआ तथा इन्का सेवा आजतक अस्थायी ही है,जबकि राज्य के अठाह हजार पंचायत स्वयं सेवक सरकार के विभाग के कई कार्यों में अपना योगदान देते आ रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष से सदन में इसके स्थायीकरण, नियमित मानदेय एवं 60 वर्षों तक सेवा अवधि करने की मांग विधायक नीरा यादव ने किया।



कोडरमा हेल्प ग्रुप ने गरीब की बेटी की शादी में नकद राशि देकर किया सहयोग



मरकच्चो (कोडरमा) प्रखंड में गरीब असहाय बेवस के मदद करने को लेकर पूर्व की भाति एक बार फिर से कोडरमा जिला के हेल्प ग्रुप के तरफ से मरकच्चो प्रखंड के महगाई निवासी अहमद मियां की बेटी की शादी में नगद राशि 31000 रुपए दिया गया। वहीं इस अवसर पर जे एम एम युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष नौसाद

अंसारी का कहना है की हमें सभी समाज के वर्गों के लिए सोचने की जरूरत है। कि दहेज प्रथा की वजह से हमलोगों के बीच ऐसी कई बहन बेटियां अपने घर मे बिना विवाह की आज भी बैठी है। और उनके माता पिता दहेज देने से असमर्थ हैं। आज के समय में दहेज की वजह से हमारी बहन बेटियों को जान से मार दिया जाता है।

जो बहुत ही शर्मनाक बातें हैं। दहेज प्रथा को लेकर हमें सभी वर्ग के समाज को जागरूक करने की जरूरत है। ताकि हमारी बहन बेटियों का आराम से घर बसाया जासके। वहीं इस अवसर पर नौशाद आलम (खट्ट जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा कोडरमा सह अध्यक्ष मोमिन कांफ्रेंस युवा मोर्चा झारखंड), नौशाद अंसारी, (जिला युवा अध्यक्ष मोमिन कांफ्रेंस कोडरमा), मो0 जावेद (पत्रकार), मो0 युशफ, इम्हाईल अंसारी, सेराज उद्दीन,मनुवार भाई, शमशेर, फयाज, मिन्हाज आलम, शमीम, मिस्टर,सदाम, अफजल, युनुस, नईम, अजीज, हसमत, बसौर, इमरान, दीपक, हबीब मुख्तार समेत तमाम हेल्प ग्रुप के मम्बर्स मौजूद थे।

जमीन विवाद का मामला पहुंचा मुख्यसचिव के पास, मुख्यसचिव ने दिए जांच का आदेश

नवप्रदेश/कोडरमा। कोडरमा अंचल के इंदरवा पंचायत के चिरपुर गांव के दो पक्ष में सालों से चल रहे जमीन विवाद का मामला मुख्य सचिव तक पहुंच गया है। जानकारी के अनुसार मुख्य सचिव को पंडित पक्ष राजकुमार यादव ने विवाद को लेकर ज्ञापन सौंपा था। जिसके बाद मुख्य सचिव ने जमीन विवाद मामले में जांच और विवादित भूमि का लैंड पोर्जिसन आकलन कर का निर्देश दिया। मुख्य सचिव के आदेश के बाद कोडरमा अंचल के सीआई ने उक्त मामले में विवादित स्थल का निरीक्षण किया और जमीन संबंधित कागजात का अवलोकन किया। साथ ही विवादित जमीन की मापी की। दरअसल 2000-



2001 में 4-4 डेसिमल जमीन का बंदोबस्ती राजू यादव,गोपाल यादव और रामदेव यादव तीनों के पिता भीखन यादव के नाम से हुई है। तथाकथित बंदोबस्ती जमीन पर भीखन यादव के बेटे मकान और बाउंड्रीवॉल बना रहे। लेकिन मकान और बाउंड्री वॉल की वजह से खाता संख्या 16, प्लॉट

जमीन खाता नंबर 33 प्लॉट 1008 है,जो सरकारी स्कूल से सटा हुआ प्लॉट है। साथ ही वन विभाग का जमीन भी सटा हुआ है। इसी जमीन पर गांव की मुख्य सड़क भी बना हुआ है। रैयत सालों से खाता नंबर 33 प्लॉट 1008 से होकर आवागमन कर रहे थे। लेकिन दूसरे पक्ष राजू यादव,गोपाल यादव और रामदेव यादव तीनों के पिता भीखन यादव के द्वारा वन विभाग की जमीन पर सड़क निर्माण करा दिया, शेष बचे जमीन पर मकान और बाउंड्री बना रहे हैं। जिससे रैयत राजकुमार यादव, पिता दशरथ यादव को घर से निकलने के लिए कोई रास्ता नहीं बचता है। रैयत ने आरोप लगाया है की राजू यादव,गोपाल यादव और रामदेव

यादव तीनों के पिता भीखन यादव ने वन विभाग और गैर मजरूआ जमीन पर अतिक्रमण कर मकान बना रहा है। जमीन विवाद के मामले कई पंचायत भी हो चुकी है, दूसरा पक्ष पर पंचायत की भी बात नहीं मानने का आरोप लगाता रहा है।इश्वर राजकुमार यादव ने मुख्य सचिव से गैर मजरूआ खास खाता नंबर 33, प्लॉट 1008 की जांच कर बंदोबस्ती रद्द करने और उक्त जमीन पर अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है। फिलहाल मामले में कोडरमा अंचल के सीआई ने उक्त विवादित स्थल का जांच कर दोनो पक्ष से जानकारी ली। वहीं सीआई ने वरीय पदाधिकारी को रिपोर्ट सौंपने की बात कही है।

उपायुक्त ने किया डोमचांच के बच्चेडीह पंचायत का दौरा

डोमचांच (कोडरमा): झारखंड सरकार की महत्वकांक्षी योजना की धरातल पर उतारने हेतु जिला प्रशासन कटिबद्ध है ताकि जिले वासियों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न तरह के सभी योजनाओं का लाभ मिल सके। जिससे ग्रामीणोंअपनी अपनी आजीविका हेतु आमदनी का दोगुना स्रोत बना सकें। जिसको लेकर कोडरमा उपायुक्त के द्वारा स्वयं गांवों को भ्रमण कर ग्रामीणों को स्वच्छता जल संचयन टी सी बी मेड बंदी बागवानी इत्यादि कार्यों स्वयं के



द्वारा करने एवं आजीविका के स्रोत बनाने के लिए ग्रामीणों को प्रेरित कर रहे हैं। इसी कड़ी में कोडरमा

उपायुक्त आदित्य रंजन के द्वारा डोमचांच प्रखंड के स्वालंबन पंचायत बच्छेडीह व ग्राम जमडीहा

गांव का भ्रमण के दौरान उक्त स्वालंबन ग्राम जामडीहा के ग्रामीणों के द्वारा कोडरमा उपायुक्त को फूल

की माला से स्वागत किया गया। तत्पश्चात उपायुक्त के द्वारा ग्रामीणों के साथ बैठकर राज्य सरकार के

पदाधिकारी उदय कुमार सिन्हा , जेई प्रमोद राम, कृषि पदाधिकारी ब्रह्मदेव शाह, एनजीओ धनपाल, स्थानीय मुखिया बिना देवी, पंचायत सेवक राजेंद्र चौधरी, रोजगार सेवक नारायण राम , बबून मोदी, समाजसेवी किशोर यादव, वीरेंद्र यादव, चंदन दास, संजीत दास, मधुसूदन दास, संतोष दास संजीत दास,दास सचिन राणा राजू राणा, मीनू शर्मा ममता देवी, गुड़ी देवी, मौनिका सुशीला इत्यादि सैकड़ों महिलाएं एवं ग्रामीण मौजूद थे।



मेरे लिए फिटनेस ऑक्सीजन की तरह है, इससे मुझे मानसिक शांति मिलती है

बिग बॉस 14 फेम निक्की तम्बोली अपनी फिटनेस के लिए जानी जाती हैं। वह बेहतर स्वास्थ्य और तंदुरुस्त रहने के लिए बहुत मेहनत करती हैं। कहीं भी वह व्यस्त हो लेकिन वह जिम करना नहीं छोड़ती हैं। इसको लेकर निक्की तम्बोली ने बात की और अपनी फिटनेस को लेकर अपना रूटीन साझा किया। अपनी फिटनेस के बारे में बात करते हुए निक्की ने कहा है, मेरे लिए फिटनेस ऑक्सीजन की तरह है, जो एक जरूरत है। इससे मुझे मानसिक शांति मिलती है। मेरा मानना है कि स्वस्थ शरीर के लिए एक दिन में तीन बड़े-बड़े मील खाने की जगह, पांच से छह बार छोटे-छोटे मील खाना चाहिए। यह उचित संतुलित पौष्टिक आहार बनाए रखने के बारे में है। फिट होने का मतलब सिर्फ यह नहीं है कि शरीर कैसा दिखता है बल्कि यह है कि अंदर से भी कितना अच्छा और स्वस्थ है। आगे निक्की तम्बोली ने कहा, सोने से ठीक पहले ग्रीन टी पीना मेरी एक आदत है। यह मुझे वह डिटॉक्स करता है जिसकी मुझे पूरे दिन के बाद जरूरत होती है। इसके अलावा मैं सही भोजन और हेल्थी जूस पीना बहुत जरूरी समझती हूँ, इससे फिर मुझे बाहर का कुछ खाने की जरूरत नहीं पड़ती है। वर्कफ्रंट की बात करें तो, निक्की निक्की ने अपने अभिनय की शुरुआत एक तेलुगु फिल्म चिकी गाडिलो चिथाकोटुडु से की थी। इसके बाद में उन्होंने एक तमिल फिल्म कंचना 3 भी की। हिंदी सिनेमा में निक्की को तब लोकप्रियता हासिल हुई जब उन्होंने टीवी पर डेब्यू बिग बॉस 14 से किया था, दर्शकों ने इसमें एक्ट्रेस को काफी पसंद किया। इसके बाद उन्होंने खतरों के खिलाड़ी 11 में भी हिस्सा लिया था।

एक बार फिर गणेश आचार्य के साथ काम करने को लेकर उत्साहित कियारा

अभिनेत्री कियारा आडवाणी कोरियोग्राफर गणेश आचार्य के साथ दोबारा काम करने को लेकर काफी खुश हैं और इस खुशी को उन्होंने

कियारा ने गोविंदा नाम मेरा की बिजली में गणेश आचार्य के साथ काम किया था और अब दूसरी बार उनके साथ कार्तिक आर्यन अभिनीत आगामी फिल्म सत्यप्रेम की कथा में काम करेंगी। कियारा ने गोविंदा नाम मेरा की प्रतिक्रिया का जश्न मनाते हुए बिजली पर डांस करते हुए अपना और गणेश का एक वीडियो साझा किया।

हम सत्य प्रेम की कथा के सेट पर कुछ बिजली जोड़ रहे हैं और हम साथ में अगले गाने की शूटिंग कर रहे हैं। कियारा ने अब अपनी आगामी फिल्म सत्यप्रेम की कथा की शूटिंग फिर से शुरू कर दी है, जो समीर विद्वान्स द्वारा निर्देशित एक म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। फिल्म 2023 में रिलीज होने वाली है।

सलमा हायेक ने मैजिक माइक लास्ट डांस में अपने किरदार को लेकर की बात

लॉस एंजलिस। मैजिक माइक लास्ट डांस की दुनिया में हॉलीवुड एक्ट्रेस सलमा हायेक शामिल होने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। अभिनेत्री ने इस फिल्म में अपने किरदार को लेकर बात की और बताया कि कितना चुनौतीपूर्ण रहा उनके लिए इसके लिए शूटिंग करना। डेडलाइन की रिपोर्ट की मानें तो, जब स्टीवन सोडरबर्ग की फिल्म का टीजर ट्रेलर सामने आया तो तो हायेक और चैनिंग टैटम के बीच कुछ दृश्यों को लेकर चर्चा हुई। इसमें अभिनेत्री ने कुछ सीन को लेकर बात की। ट्रेलर में, टैटम का माइक लेन हायेक के चरित्र को दिखाता है और इसके बाद शुरू होता है दोनों के बीच संसुअल लेप डांस। इसके बाद ट्रेलर में दूसरे किरदार, डांस और दूसरी कई चीजें भी सामने आती हैं। हायेक ने एंटरटेनमेंट दुनाइट के साथ एक साक्षात्कार के दौरान कहा, यह शारीरिक रूप से बहुत चुनौतीपूर्ण है। हे भगवान, आप बस देखने के लिए प्रतीक्षा करें। यह काफी जटिल है।



अपनी नई फिल्म कुत्ते को लेकर अर्जुन कपूर ने साझा किया अनुभव

अभिनेता अर्जुन कपूर कुत्ते का ट्रेलर साझा करने के लिए उत्साहित हैं, जिसका अनावरण अगले सप्ताह किया जाएगा। अभिनेता का कहना है कि इस तरह की फिल्म किसी भी अभिनेता के लिए सीखने का एक अच्छा जरिया है। कुत्ते एक डाक कॉमेडी फिल्म है, इसमें कोंकणा सेन शर्मा, कुमुद मिश्रा और राधिका मदान, तब्बू और नसीरुद्दीन शाह जैसे उत्कृष्ट कलाकार हैं। इस फिल्म का निर्देशन फिल्म निर्माता विशाल भारद्वाज के बेटे आसमान भारद्वाज ने किया है। फिल्म कुत्ते में अर्जुन कपूर एक पुलिस वाले की भूमिका निभा रहे हैं। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अभिनेता ने कहा है, मुझे इंतजार है कि जब कुत्ते का ट्रेलर रिलीज होगा तो लोग इसको लेकर क्या प्रतिक्रिया देते हैं। पर मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को कुछ नया देखने को मिलेगा। आगे अपनी बात करते हुए अभिनेता ने कहा, मेरे लिए कुत्ते बहुत खास फिल्म है। मुझे लव रंजन जैसे प्रतिभाशाली फिल्म निर्माता के साथ काम करने का मौका मिला, आसमान भारद्वाज जैसे उल्लेखनीय नोवेलिस्ट निर्देशक, विशाल भारद्वाज को निर्माता, लेखक और संगीतकार के रूप में जानने का मौका मिला, गुलजार साब ने गीत लिखे हैं। इसके साथ मैं इस फिल्म में बेहतरीन कलाकारों जैसे तब्बू, कोंकणा सेन शर्मा, नसीर सर, कुमुद जी, शादुल भारद्वाज और राधिका मदान के साथ काम किया। उन्होंने आगे कहा, मेरे लिए फिल्म की शूटिंग करना बहुत मजेदार था और यह सीखने का भी एक शानदार अनुभव था।



इस वजह से नीना गुप्ता ने इंडस्ट्री में कभी दोस्तों से नहीं मांगा काम

नीना गुप्ता बॉलीवुड की बेहतरीन एक्ट्रेसों की लिस्ट में शामिल हैं। नीना को अपने बेबाक अंदाज के लिए भी जाना जाता है। हाल ही में नीना गुप्ता की फिल्म वध रिलीज हुई है। इसी बीच नीना गुप्ता ने बताया कि उन्हें 40 साल के फिल्मि करियर के बाद भी काम ढूढ़ने में काफी दिक्रत होती है। एक इंटरव्यू के दौरान नीना गुप्ता ने कहा, कमजोर समय लोगों को मजबूत बनाता ये आपने बहुत बार सुना होगा लेकिन हकीकत में मैं बहुत मजबूत नहीं हूँ। लोग कहते हैं कि मैंने अपनी शर्तों पर जीवन बिताया है, लेकिन असल जिंदगी में आपको त्याग और समझौता करना पड़ता है। उन्होंने कहा, रियल लाइफ में मैं बहुत शमीली हूँ, मुझे आज भी अपनी दोस्तों के जरिए कोई काम नहीं मिलता है। मेरे शमीले मिजाज के कारण मैं उनसे काम के लिए कह नहीं पाती हूँ। मैंने देखा है जब मुश्किल समय आता है तो महिलाएं मजबूत हो जाती हैं, वरना तो कमजोर रहती हैं। ऐसे में कठिन समय में मेरे हिसाब से आप को खड़े रहना चाहिए और उसका सामना करना चाहिए।

जानिए कब शादी करेंगे प्रभास

साउथ सुपरस्टार प्रभास ने फिल्म बाहुबली से दुनियाभर में जबरदस्त पहचान बनाई है। प्रभास जल्द ही फिल्म आदिपुरुष में नजर आने वाले हैं। इन दिनों एक्टर का नाम इस फिल्म की को-एक्ट्रेस कृति सेनन संग जुड़ रहा है। हालांकि कृति सेनन ने इन खबरों को अफवाह बताया है। वहीं अब प्रभास ने अपने वेडिंग प्लान का खुलासा किया है। प्रभास ने एक तेलुगू टॉक शो में अपनी शादी को लेकर बात की। शो के होस्ट नंदामुरी बालकृष्ण ने प्रभास से पूछा कि हाल ही में जब सर्वानंद शो में आए तो मैंने उनसे उनकी शादी के बारे में पूछा तो उनका जवाब था कि वो आपके बाद शादी करेंगे, तो अब आप बताएं कि आप शादी कब करेंगे। इस सवाल के जवाब में प्रभास ने कहा कि अगर सर्वानंद ने कहा है कि वो मेरे बाद शादी करेंगे, तो मुझे कहना चाहिए कि मैं सलमान खान के बाद शादी करूंगा। फैंस प्रभास के इस जवाब की खूब तारीफ कर रहे हैं। बता दें कि प्रभास जहां 43 साल के हो गए हैं वहीं सलमान खान 56 साल के हैं। अब प्रभास को दुल्हा बने देखने के लिए फैंस को सलमान खान की शादी का इंतजार करना होगा।



दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी ने अमेरिकी शैली की फिल्म प्रमाणन प्रणाली को अपनाने की जरूरत पर जोर दिया है। उनका मानना है कि सेंसर बोर्ड को नहीं बल्कि फिल्म निर्माताओं को यह तय करना चाहिए कि किसी दृश्य को हटाने की जरूरत है या नहीं।

शबाना आजमी ने यूएस स्टाइल फिल्म सर्टिफिकेशन की जरूरत पर दिया जोर

रविवार शाम यहां एक कार्यक्रम में पठान विवाद के मद्देनजर एक सवाल का जवाब देते हुए पांच बार की राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता ने कहा, सेंसर बोर्ड जो करता है वह उसका काम नहीं होना चाहिए, इस काम के लिए खुद फिल्म निर्माता या

फिल्म निर्माताओं को अच्छे से पता होता है कि कहां किस जगह फिल्म में कट लगाना है। अमेरिका में ऐसी प्रणाली है और हमको उसको अपनाना चाहिए। हमारा देश ब्रिटेन की सेंसरशिप शैली का अनुसरण करता है जिसमें सरकार द्वारा जीवन के विभिन्न क्षेत्रों या शिक्षाविद, समाजशास्त्री आदि जैसे व्यवसायों से लगभग 30 लोगों को चुना जाता है और उन्हें हर पांच साल में देश की नैतिकता को बदलने के लिए निर्णय पर बैठाया जाता है, उस समय की राजनीतिक व्यवस्था के हिसाब से। खैर यह कोई ऐसी बात नहीं है कि लोगों को इसके बारे में जानकारी नहीं है कि जिन लोगों को वहां बैठाया जाता है, उनका संबंध सत्ता पक्ष से होता है। गौरतलब है कि अभिनेत्री शबाना आजमी पद्म भूषण और पद्मश्री से सम्मानित हो चुकी हैं। अपनी बात आगे करते हुए शबाना आजमी ने कहा, मैं कई सालों से चिल्ला रही हूँ कि सिनेमेटोग्राफ एक्ट 1952 में संशोधन की जरूरत है। जब कोई फिल्म को दिखाने के सर्टिफिकेट मिल जाता है तो फिर कानून व्यवस्था की समस्या नहीं होनी चाहिए। अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब है कि आप कठोर शब्द बोल सकते हैं, लेकिन अगर यह सांप्रदायिक दंगों को ट्रिगर करता है, तो इसे संभालने और नियंत्रित करने की जिम्मेदारी सरकार की है।

भारत में रहने के बावजूद इन सितारों के पास नहीं है वोट देने का अधिकार

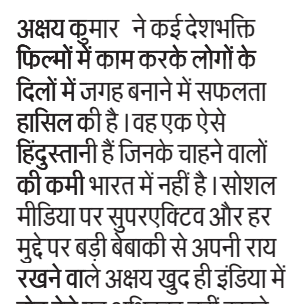
बॉलीवुड लोगों के दिल में बसता है। यहां की कहानियां देश की भौगोलिक सीमाओं से परे जाकर लोगों को अपना बना लेती हैं। एक तरफ जहां विदेशी लोग हिंदी फिल्मों के दीवाने हैं, तो वहीं दूसरी तरफ बॉलीवुड ने भी ऐसे कलाकारों का खुले दिल से स्वागत किया जो भारत के नागरिक तो नहीं थे, लेकिन अब हिंदी सिनेमा के होकर रह गए हैं। यहां किसी तरह का कोई भेदभाव नहीं चलता, यहां चलता है सिर्फ एंटरटेनमेंट... एंटरटेनमेंट... एंटरटेनमेंट। इंडस्ट्री में कई स्टार ऐसे हैं जो बेहद लोकप्रिय हैं लेकिन उनके पास भारत की नागरिकता नहीं है। इनमें से कुछ का जन्म भारत में नहीं हुआ, तो कुछ हैं ही विदेशी लेकिन अब देसी बन गए हैं। आज हम ऐसे ही कुछ सितारों के बारे में बात करने वाले हैं, जिनके पास भारत की नागरिकता नहीं है, इसलिए उन्हें देश में वोट देने का भी अधिकार नहीं है।

दीपिका पादुकोण



बॉलीवुड की खूबसूरत और टॉप एक्ट्रेस में शुमार दीपिका पादुकोण को लेकर कहा जाता है कि उनका जन्म डेनमार्क में हुआ था, इसलिए उनके पास डेनमार्क की नागरिकता है। ऐसे में दीपिका को भारत में वोट देने का अधिकार नहीं है।

अक्षय कुमार



अक्षय कुमार ने कई देशभक्ति फिल्मों में काम करके लोगों के दिलों में जगह बनाने में सफलता हासिल की है। वह एक ऐसे हिंदुस्तानी हैं जिनके चाहने वालों की कमी भारत में नहीं है। सोशल मीडिया पर सुपरपॉपुलर और हर मुद्दे पर बड़ी बेबाकी से अपनी राय रखने वाले अक्षय खुद ही इंडिया में वोट देने का अधिकार नहीं रखते हैं। अक्षय के पास कनाडा की नागरिकता है।

आलिया भट्ट



बॉलीवुड की चुलबुली एक्ट्रेस आलिया भट्ट जिन्होंने अपनी फिल्म राजी में भारतीय जासूस का किरदार निभा कर सबका दिल जीत लिया था। दरअसल वह भारत की नागरिक नहीं हैं। आलिया की मां सोनी राजदान बर्मिंघम ब्रिटेन से हैं और उनके पास ब्रिटिश नागरिकता है। अपनी मां की तरह आलिया के पास भी

ब्रिटिश नागरिकता और पासपोर्ट है।

जैकलीन फर्नांडीज

मिस यूनिवर्स ऑफ श्रीलंका रह चुकीं जैकलीन फर्नांडीज का जन्म मनामा (बहरीन) में हुआ है और उनके पास श्रीलंका की नागरिकता है। जैकलीन के पिता एलरॉय फर्नांडीज एक श्रीलंकन तमिलियन हैं और उनकी मां किम मलेशिया से हैं। जैकलीन ने अपनी पढ़ाई ऑस्ट्रेलिया से की है, इसलिए उनके पास भी भारत की नागरिकता नहीं है और उनको यहां वोट देने का अधिकार नहीं है।



कटरीना कैफ



कटरीना कैफ का जन्म हांगकांग में हुआ था। कटरीना के पिता कश्मीर के हैं इसके बाद भी वह भारत की नागरिक नहीं हैं। कटरीना दरअसल ब्रिटिश नागरिक हैं और इसीलिए उनके पास भी भारत में वोट करने का अधिकार नहीं है। कटरीना के पासपोर्ट में भी उनकी सिटीजनशिप ब्रिटेन की है।

रिहा होगा सीरियल किलर चार्ल्स शोभराज, नेपाल की जेल में 19 साल से था बंद

काठमांडू। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने फांस के सीरियल किलर चार्ल्स शोभराज को 1१ सितंबर, 2003 को एक समाचार पत्र द्वारा उनकी तस्वीर प्रकाशित करने के बाद उन्हें नेपाल में एक कैसीनो के बाहर देखा गया था। उसकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उनके खिलाफ 1975 में काठमांडू और भक्तपुर में दंपति की हत्या के आरोप में हत्या के दो अलग-अलग मामले दर्ज किए। वह काठमांडू की सेंट्रल जेल में 21 साल की कैद, अमेरिकी नागरिक की हत्या के लिए 20 साल और फर्जी पासपोर्ट का इस्तेमाल करने के लिए एक साल और 2,000 के जुर्माने की सजा काट रहा था।

जब कोई मूर्ख मिलेगा तब टिवटर के सीईओ का पद छोड़ दूंगा : मस्क

वाशिंगटन । टिवटर के नए प्रमुख एलन मस्क ने टिवटर के सीईओ के रूप में कमान संभाला है। लेकिन वह भूमिका के लिए बहुत उज्ज्वल लोगों को नहीं चाहते हैं। मस्क ने टिवटर पर यह जानने के लिए सर्वेक्षण किया कि क्या उन्हें टिवटर के सीईओ के रूप में पद छोड़ना चाहिए। जैसा कि अपेक्षित था उन्हें सुझाव दिया कि उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। लेकिन मस्क ने अपनी हार मानने से इनकार कर और कम वोट पाने के लिए टिवटर में बॉट्स को जिम्मेदार ठहराया। एक अलग टवीट में मस्क ने कहा कि वह टिवटर के सीईओ के रूप में तभी पद छोड़ेंगा जब उन्हें कोई ऐसा मूर्ख मिलेगा जो भूमिका निभाने के लिए पर्याप्त हो। मस्क द्वारा कराए गए एक पोल के नतीजों ने उन्हें चौंका दिया। मस्क ने सोचा कि टिवटर को फ्री स्पीच प्लेटफॉर्म बनाने के उनके लंबे दावों से उन्हें वोट मिलने वाले हैं लेकिन ज्यादातर टिवटर यूजर चाहते थे कि वह चले जाएं।। पोल के अनुसार 57.5 प्रतिशत से अधिक टिवटर उपयोगकर्ताओं ने मस्क के पद छोड़ने के पक्ष में मतदान किया जबकि 42.5 प्रतिशत अभी भी चाहते हैं कि वह कंपनी का नेतृत्व करें। नतीजे आने के तुरंत बाद मस्क ने कहा कि वह फिर से चुनाव करारेंगे लेकिन इस बार वह केवल टिवटर ब्लू ग्रहकों को वोट देने की अनुमति दूंगा।

आतंकवादियों ने पुलिस स्टेशन पर धावा बोलकर आठ एके–47 राइफलें ही ले गए

इस्लामाबाद । पुलिस ने इसकी पुष्टि की है कि दक्षिणी वजीरिस्तान में दर्जनों सशस्त्र आतंकवादियों ने पुलिस स्टेशन पर धावा बोलकर हथियार लूटकर फरार हो गए। अधिकारी रहमान वजीर के हवाले से बताया कि रॉकेट लॉंचर और भारी हथियारों से लैस आतंकवादी वाना में पुलिस थाने में घुस गए। उन्होंने कहा कि करीब 50 आतंकवादी स्टेशन के सामने के गेट को उड़ाने के बाद अंदर घुसे। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने कहा कि आतंकवादियों के सामने भारी संख्या में थाना प्रभारी सहित लगभग 20 पुलिसकर्मियों ने कुछ समय तक संघर्ष किया लेकिन बाद में उन्हें बंधक बना लिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय पुलिस ने कहा कि आतंकवादी स्टेशन से सिर्फ आठ एके–47 राइफलें ही ले गए। सूत्रों ने कहा कि हमले में एक पुलिस कांस्टेबल घायल हो गया जबकि एक कथित आतंकवादी मारा गया। सूत्रों के मुताबिक फटियर कोर (एफसी) के जवानों के साथ मुठभेड़ में कथित आतंकवादी मारा गया। बाद में शव बागीचा इलाके से बरामद किया गया। हमले के बाद पुलिस स्टेशन को कुछ समय के लिए एफसी ने अपने कब्जे में ले लिया लेकिन बाद में मंगलवार दोपहर तक इसे वापस पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस ने कहा कि आसपास के इलाकों से वाना में और बल तैनात किया गया है और वर्तमान में स्टेशन के अंदर 100 पुलिसकर्मी हैं।

उत्तरी कैलिफोर्निया के कुछ हिस्सों में 6.4 तीव्रता का भूकंप आया

फर्नडेल। उत्तरी कैलिफोर्निया के कुछ हिस्सों में सोमवार देर रात 6.4 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूभूमीय सर्वेक्षण विभाग ने यह जानकारी दी। भूकंप के कारण कई जगह बिजली आपूर्ति बाधित हो गई और कई मकान एवं सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं। सैन फ्रांसिस्को के उत्तर-पश्चिम में लगभग 343 किलोमीटर दूर स्थित फर्नडेल के पास देर रात दो बजकर 34 मिनट पर 6.4 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप से किसी के हताहत होने की फिलहाल कोई सूचना नहीं है। इस भूकंप का केंद्र तट के पास 10 मील की गहराई में था। इसके बाद भूकंप बाद के कई झटके महसूस किए गए। देश में बिजली आपूर्ति व्यवस्था पर नजर रखने वाली ‘ पावरआउटेज डॉट कॉम’ ने बताया कि भूकंप के बाद 55,000 से अधिक उपभोक्ताओं ने बिजली आपूर्ति बाधित होने की शिकायत की। कई जगह गैस रिसाव की भी शिकायतें मिली हैं। हम्बोल्ट काउंटी शेरिफ कार्यालय ने ट्वीट किया कि सुनामी की आशंका नहीं है। उल्लेखनीय है कि शनिवार तड़के तीन बजकर 39 मिनट पर सैन फ्रांसिस्को बे एरिया में 3.6 तीव्रता का भूकंप आया था।

चीन से निपटने के लिए ऑस्ट्रेलिया ने पानी के नीचे उतारेगा यूयूवी घोस्ट शार्क

केनबरा । ऑस्ट्रेलिया ने भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीन से निपटने के लिए पानी के भीतर निगरानी और माइन वारफेयर क्षमताओं को बढ़ाने के लिए अपने उप-ड्रोन प्रोटोटाइप घोस्ट शार्क पनडुब्बी का आनावरण किया है। ऑस्ट्रेलिया का यह कदम पानी के भीतर युद्ध में चीन के प्रभुत्व का मुकाबला करने और नौसैनिक युद्ध में दो देशों के बीच की खाई को घाटने के प्रयास का हिस्सा है। यूयूवी एक डाइव-लार्ज डिस्पलैसमेंट (डाइव-एलडी) वाहन है जो इंडो-पैसिफिक जल में चीन का मुकाबला करने की ऑस्ट्रेलिया की क्षमता को बढ़ाएगा और यहां तक ​​​​कि संघर्ष में अमेरिका के हस्तक्षेप के मामले में सहायता प्रदान करेगा। घोस्ट शार्क नामक यूयूवी का एक सशस्त्र संस्करण बनाने की योजना है। यह घोस्ट शार्क वाहन ऑस्ट्रेलिया द्वारा 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर की साझेदारी के तहत एंड्रिल आस्ट्रेलिया रायल आस्ट्रेलिया नवी और डिफेंस साइंस एंड टेक्नालॉजी ग्रुप के साथ मिलकर विकसित किया जाएगा। यह परियोजना ऑस्ट्रेलिया के एक्स्ट्रा लार्ज ऑटोनॉमस अंडरसी स्टीकल (एक्सएल-एयूवी) कार्यक्रम के तहत है जिसका उद्देश्य सैन्य और गैर-सैन्य दोनों उद्देश्यों को पूरा करने के लिए एक किफायती स्वायत्त पानी के नीचे का पनडुब्बी बनाना है। होनराज्ञ की रिपोर्ट के अनुसार साझेदारी का उद्देश्य 2025 तक घोस्ट शार्क के मॉडल वितरित करना है।

लंबे ठहराव के बाद बीजिंग पहुंची ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री

बीजिंग। ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी गोंग व्यापार प्रतिबंधों एवं राजनीतिक मतभेदों के कारण उच्च-स्तरीय संबंधों में एक लंबे ठहराव के बाद द्विपक्षीय रिश्तों में सुधार लाने के मकसद से वार्ता के लिए चीन पहुंची हैं। बीजिंग पहुंचने पर विदेश मंत्री गोंग ने निमंत्रण के लिए चीन को धन्यवाद दिया। उनकी यह यात्रा उस समय में हो रही है जब दोनों देशों के बीच अधिकारिक राजनयिक संबंधों की स्थापना को 50 वर्ष पूरे हुए हैं।

गोंग ने कहा कि वह बातचीत को लेकर आशान्वित हैं जिसमें दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण कई मुद्दों पर चर्चा होगी। गोंग चीनी विदेश मंत्री वांग यी से भी मिलेंगी। उनकी यात्रा चार वर्षों में किसी ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री की चीन की पहली यात्रा है। इससे यह उम्मीद जगी है कि ऑस्ट्रेलियाई वस्तुओं के आयात पर चीन के अवरोधों को समाप्त करने और चीन में हिरासत में लिए गए दो ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को मुक्त करने के विषय में प्रगति होगी।



दक्षिण कोरिया में अमेरिकी वायुसेना का बी-52 बमवर्षक विमान दक्षिण कोरियाई वायुसेना के विमानों के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास में भाग लेते हुए।

चीन में कोरोना संक्रमण से बिगड़े हालात अस्पतालों में नहीं मिल रही जगह आसमान पर पहुंचे दवाओं के दाम

बीजिंग (एजेंसी)। चीन में एक बार फिर से कोरोना ने विस्फोटक रूप अख्तियार कर लिया है। चीन में कोरोना का ऐसा भयंकर विस्फोट हुआ है कि अस्पतालों में जगह नहीं बची है। श्मशान घाटों पर लाशों के अंजन लग गए हैं।दवा के लिए हाहाकार मच गया है।

जीरो कोविड पॉलिसी हटने के बाद चीन में कोरोना ने ऐसी तबाही मचाई है कि इसका खौफनामक मंजर अभी से ही दिखने लगा है। अनुमान है कि इस बार चीन में कोरोना से 20 लाख से अधिक लोगों की मौत हो सकती है जबकि 23 करोड़ से अधिक आबादी इससे संक्रमित हो सकती है। हालांकि चीन ने अधिकारिक तौर पर कोरोना से केवल 5237 मौतों की पुष्टि की है। चीन में कोरोना संक्रमण इतनी तेजी से फैल रहा है कि मेडिकल स्टोर्स में दवा मिलना भी मुश्किल हो गया है।

अस्पतालों में इलाज के लिए भीड़ उमड़ रही है और लोगों को अपनी बारी के लिए लंबी लाइनों में इंतजार करना पड़ रहा है। चीन में कोरोना के विस्फोट की वजह से सर्दी और फ्लू की दवाएं भी नहीं मिल पा रही हैं। इतना ही नहीं अस्पतालों में बढ़ते कोरोना मरीजों को बेड की किल्लत होने लगी है। दवा की भी



कमी हो गई है। कोरोना जांच के लिए भी लंबी-लंबी लाइनें लग रही हैं। कोरोना मरीज अब दम तोड़ने लगे हैं और इसकी संख्या ने चीन के लोगों को और डरा दिया है। चीनी सरकार ने कहा कि कोरोना में केवल श्वसन प्रणाली के विफल होने से होने वाली मौतों को ही अधिकारिक आंकड़ों में शामिल किया जाएगा। माना जा रहा है कि चीन ने पैनिन माहौल को देखते हुए यह फैसला लिया है। चीन में काराना वायरस के ओमीक्रॉन स्वरूप के नए उप-स्वरूपों से संबंधित संक्रमण के मामलों में काफी वृद्धि देखी गई है। चीन

वर्तमान में लोग मुख्यतः ओमीक्रॉन के दो उपस्वरूपों-बीए. 5.2 और बीएफ. 7 से प्रभावित है।

चीन में कोरोना संक्रमण रोकने के लिए की जा रही सख्ती खत्म करने के बाद अचानक कोरोना संक्रमण में तेजी पैदा हो गई है। चीन में कोरोना के बढ़ते मामलों के कारण लोग खौफजदा हो गए हैं। दवाई की दुकानों में लंबी-लंबी कतारें लगी हुई हैं। दवा की शॉर्टेज के कारण उनकी कीमतें कई गुना बढ़ गई हैं। चीन में कोविड के बढ़ते मामलों के बीच वहां बेड की कमी भी होने लगी है।

नेपाल के प्रधानमंत्री देउबा नेपाली कांग्रेस पार्टी के संसदीय दल के नेता चुने गए

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के प्रधानमंत्री और नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा ने बुधवार को संसदीय दल के नेता पद के लिए हुए चुनाव में जीत दर्ज की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देउबा ने अपने निकटकम प्रतिद्वंद्वी एवं पार्टी महासचिव गगन कुमार थापा को 39 मतों से हराया। अधिकारियों के मुताबिक, मतदान में नेपाली कांग्रेस के सभी 89 सांसदों ने हिस्सा लिया। इसमें 76-वर्षीय देउबा को जहां 64 वोट मिले, वहीं 45-वर्षीय थापा को महज 25 मत हासिल हुए।

संसदीय दल के नेता पद के चुनाव में जीत का मतलब है कि 20 नवंबर को हुए आम चुनाव में नेपाली कांग्रेस के सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरने के बाद देउबा संभवतः अगली सरकार का नेतृत्व करेंगे। थापा संसदीय दल के नेता के चुनाव में देउबा के एकमात्र प्रतिद्वंद्वी थे। दोनों उम्मीदवारों ने मंगलवार को नामांकन दाखिल किया था। नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राम चंद्र पौडेल ने देउबा के नाम का प्रस्ताव किया था, जिसका पार्टी के एक अन्य नेता पूर्ण बहादुर खड्का ने समर्थन किया। वहीं, डॉ.



शेखर कोइराला ने थापा के नाम का प्रस्ताव किया था, जिसका विश्व प्रकाश शर्मा, प्रदीप पौडेल और धनराज गुरुंग ने समर्थन किया था। ‘माई रिपब्लिक’ अखबार के मुताबिक, मतदान केंद्र में मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति दी जानी चाहिये था नहीं, इस पर असहमति के कारण बुधवार को चुनाव में लगभग एक घंटे की देरी हुई। अखबार के अनुसार, नेपाली कांग्रेस के सांसदों को अपने निर्वाचन प्रमाणपत्र के साथ मतदान स्थल पर पहुंचने का निर्देश दिया गया था। नेपाली कांग्रेस इस हिमालयी देश की एकमात्र पार्टी है, जो संसदीय दल के नेता के लिए चुनाव

फिर जारी हुआ महिला विरोधी फरमान, नहीं सुधरने वाला है तालिबान, लड़कियों के लिए यूनिवर्सिटीज के दरवाजे बंद

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबानी हुकूमत को सत्ता संभालते हुए साल भर से ज्यादा का वक्त गुजर चुका है। वहां के हालात लगातार सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। आए दिन अफगानिस्तान में तालिबानी फरमान जारी होते रहते हैं। इसी कड़ी में नए आदेश के तहत अफगानी लड़कियों के विश्वविद्यालय शिक्षा पर अनिश्चितकालीन प्रतिबंध

लगा दिया गया। हालांकि तालिबान औरतों और लड़कियों की आजादी पर हमेशा से रोक लगाता रहा है। लेकिन अब उसके एक और फैसले ने लड़कियों के सपनों को तोड़ने का काम किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उच्च शिक्षा मंत्री के एक पत्र के अनुसार तालिबान ने अफगानिस्तान में युवतियों और महिलाओं के लिए संचालित

विश्वविद्यालयों को बंद करने का ऐलान किया है। पिछले साल जब तालिबान ने अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा किया था तब महिलाओं के प्रति नफे रुख अपनाने का वादा किया था। लेकिन इसके बावजूद वो उसके शिक्षा और स्वतंत्रता के अधिकार को छीन रहा है। अंतरराष्ट्रीय रुख को नजरअंदाज कर पहले भी तालिबान

अमेरिका यूक्रेन को 1.8 अरब डॉलर की सहायता देगा इसमें पैट्रियट ’ मिसाइल शामिल

वाशिंगटन ।अमेरिका युद्धग्रस्त यूक्रेन को 1.8 अरब डॉलर की सहायता देगा जिसमें पहली बार उसके लड़कू विमानों के लिए एक ‘ पैट्रियट ’ मिसाइल बैटरी और सटीक निशाना लगाने में सक्षम बम शामिल है। अमेरिकी अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। यह सहायता उस वक्त में दी जा रही है जब बाइडन प्रशासन यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की का वाशिंगटन में स्वागत करने के लिए तैयार है।

प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैसी पेलेसी ने सांसदों को बुधवार शाम के सत्र में मौजूद रहने के लिए प्रोत्साहित किया। अमेरिकी अधिकारियों ने गोपनीयता की शर्त पर यूक्रेन को दी जाने वाली नई सहायता की जानकारी दी। इस सहायता से संकेत मिलता है कि अमेरिका ने रूस के मिसाइल हमलों से बचने के लिए यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली को मजबूत करने की कवायद के तौर पर उस अत्याधुनिक हथियार भेजने का फैसला किया है।

अधिकारियों ने बताया कि इस सहायता पैकेज की बुधवार को घोषणा होने की उम्मीद है। जेलेंस्की और यूक्रेन के अन्य अधिकारियों ने पश्चिमी नेताओं से रूस के साथ युद्ध में उसकी मदद करने के लिए पैट्रियट समेत अन्य आधुनिक हथियार देने की अपील की थी। पैट्रियट यूक्रेन को पश्चिमी देशों से मिलने वाली सबसे उन्नत सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली होगी।

वायरल वीडियो में पूर्व पाक पीएम महिला से कर रहे अश्लील वार्तालाप पीटीआई ने वीडियो को बताया फर्जी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के प्रमुख और पूर्व पीएम इमरान खान एक आर

विवाद में फंसेते दिखाई दे रहे हैं। यह विवाद उनके अश्लील ऑडियो से जुड़ है। इस ऑडियो में इमरान खान की आवाज सुनाई दे रही है जिसमें वह किसी महिला से फोन पर अश्लील बातें कर रहे हैं। ये अश्लील ऑडियो पाकिस्तान के पत्रकार सैयद अली हैदर ने अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किया है। इस ऑडियो क्लिप में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान की एक महिला के साथ कथित निजी बातचीत का जिक्र है। ऑडियो क्लिप में जिस शख्स की आवाज सुनाई दे रहे है वह पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान बताए जा रहे हैं जो एक महिला से अश्लील बात कर रहे हैं। ऑडियो में इमरान कथित तौर पर एक महिला को अपने साथ आने के लिए बोल रहे हैं लेकिन महिला इमरान

खान को मना कर देती हैं। इस ऑडियो में इमरान खान जोर देकर कहते हैं कि जैसा कहा गया है वैसा ही करें।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे दो ऑडियो क्लिप में से एक पुराना बताया जा रहा है। दूसरी क्लिप को हाल ही का बताया जा रहा है। इमरान खान इस ऑडियो में महिला से उनके पास आने के लिए कह रहे हैं। हालांकि महिला उनके पास आने से मना कर देती है। महिला कहती है कि इमरान आपने मेरे लिए क्या किया है? मैं नहीं आ सकती हूँ। इसी दौरान महिला आगे कहती है वह उनसे मिलने के लिए तैयार है। इस पर इमरान खान उसे कहते हैं कि वह अगले दिन का अपना कार्यक्रम बदल दे। चौकाने वाली बात यह है कि कथित ऑडियो क्लिप में महिला को यह कहते हुए सुना जा रहा है कि वह उनसे नहीं मिल सकती क्योंकि उनके शरीर में दर्द है।

करती है। संसदीय दल के नेता के चुनाव के लिए रिववार को नेपाली कांग्रेस की केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक में तीन-सदस्यीय चुनाव समिति का गठन किया गया था, जिसमें संयुक्त महासचिव भीष्म राज अग्रडंबे समन्वयक और केंद्रीय सदस्य पुष्पा भुसाल और प्रकाश रसैली ‘स्नेही’ सदस्य थे। हाल ही में संस्रप आम चुनाव में नेपाली कांग्रेस ने प्रतिनिधि सभा की कुल 89 सीट पर जीत दर्ज की थी। इनमें से 57 सीट पार्टी को प्रत्यक्ष मतदान और 32 सीट आनुपातिक प्रतिनिधित्व चुनाव प्रणाली के जरिये हासिल हुई थी। इस बीच, संसदीय सचिवालय के सूत्रों ने बताया कि प्रतिनिधि सभा के नवनिर्वाचित सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह 22 दिसंबर को होगा। उल्लेखनीय है कि 275-सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में 165 सदस्यों का चयन प्रत्यक्ष मतदान के जरिये किया गया था, जबकि बाकी 110 सदस्य आनुपातिक चुनाव प्रणाली के माध्यम से चुने गए थे। हिमालयी देश में लंबे समय से जारी राजनीतिक अस्थिरता को खत्म करने के लिए प्रतिनिधि सभा और सात प्रांतीय विधानसभाओं के लिए हाल ही में चुनाव कराए गए थे।



महिलाओं व लड़कियों सहित अफगानिस्तान के लोगों की मदद करना जारी रखेगा उनकी मानवीय जरूरतों को पूरा करने की कोशिश करेगा और सामूहिक रूप से उनके अधिकारों की वकालत करने के लिए अपने सहयोगियों के साथ काम करेगा।

स्वत्वाधिकारी यशवंत धोटे के लिए प्रकाशक, मुद्रक मधुकर सिंह, मां तपेश्वरी मीडिया एंड पब्लिकेशन प्रा0 लिमिटेड, सिंहमोड़ कल्याणपुर हटिया, अपोजिट एडमिनिसट्रिव बिल्डिंग, द्वारा रांची से प्रकाशित कर, तपो प्रिंटर, गुटुआ मौजा, प्लॉट नं.-1124/1125, कटहल मोड़, थाना-नगड़ी, दयाल पेट्रोल पंप के बगल में, रांची (झारखंड) से मुद्रित, (न्याय क्षेत्र रांची) संपादक-सचिन कुमार सिंह, स्थानीय संपादक-उपेन्द्र नाथ पाण्डेय* (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार*) , फोन नं-0651-2910972, ईमेल - navpradeshbranchi@gmail.com (RNI No. JHAHIN/2016/68458)

